

पाकिस्तान के दुश्मनों से भारत ने मिलाया हाथ

नई दिल्ली, 10 जून 2025 (ए)। यूरोप के दौरे पर गए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने साफ शब्दों में पाकिस्तान को चेतावनी दी है कि पहलगाम में आतंक हमले के बाद भारत की प्रतिक्रिया पूरी दुनिया देख चुकी है। इसके बावजूद अगर पाकिस्तान और उसके यहां पल रहे आतंकी भारत के खिलाफ कुछ भी गलत करते हैं तो इस बार उनकी तबाही तय है। एक फ्रेंच अखबार ली फिगारो को दिए साक्षात्कार में जयशंकर ने पाकिस्तान को आतंकवाद के खिलाफ कड़ा संदेश देते हुए कहा कि भारत आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति पर अडिग है। जयशंकर ने पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए एक प्लान भी बना लिया है। उन्होंने मध्य एशियाई देशों का आतंक पर नेटवर्क बनाने की बात की है। जयशंकर ने मध्य एशियाई देशों के मंत्रियों से मुलाकात की। यह मुलाकात भारत-मध्य एशिया वार्ता से पहले हुई। इस बैठक में आतंकवाद, व्यापार और कनेक्टिविटी जैसे मुद्दों पर बात हुई। भारत और मध्य एशियाई देश

जयशंकर का प्लान पाकिस्तान का उड़ा देगा होश...

मिलकर आतंकवाद का मुकाबला करेंगे। वे व्यापार और कनेक्टिविटी को भी बढ़ाएंगे। दरअसल, विदेश मंत्री एस जयशंकर ऐसा प्लान बना रहे हैं, जिससे पाकिस्तान के नापाक मंसूखों पर पानी फिर जाएगा। यह पाकिस्तान में पल रहे आतंक के नेटवर्क को पूरी तरह नेस्तनाबूद कर देगा।

जयशंकर ने मध्य एशियाई देशों को क्या कहा...

जयशंकर ने कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, ताजिकिस्तान, किर्गिस्तान और तुर्कमेनिस्तान के विदेश मंत्रियों के साथ अलग-अलग बैठकें कीं। इन बैठकों में सुरक्षा सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। खासकर, पहलगाम में हुए आतंकी हमलों के बाद इस पर जोर दिया गया। इसके अलावा, व्यापार और कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने पर भी बात हुई। उज्बेकिस्तान,

ताजिकिस्तान और किर्गिस्तान जैसे मध्य एशियाई देशों को अफ गानिस्तान-पाकिस्तान क्षेत्र में मौजूद आतंकी संगठनों से खतरा है। इसलिए, सुरक्षा सहयोग बढ़ाना जरूरी है। सुरक्षा होगी तो कारोबारी सहयोग भी बढ़ेगा। भारत-मध्य एशिया बिजनेस काउंसिल को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा-हमें अपने व्यापार के विकल्पों को बढ़ाना होगा। इससे हमारे पास ज्यादा विकल्प होंगे और प्रतिस्पर्धा भी बढ़ेगी। हम नए अवसरों की तलाश में हैं। मैं चाहूंगा कि मध्य एशियाई देशों के मेरे दोस्त इस बात



को समझें कि आज भारत की अर्थव्यवस्था 4 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा की है और यह हर साल 6-8 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। इससे उत्पादों और सेवाओं की नई मांग पैदा होगी।

अपनी-अपनी मुद्राओं में व्यापार कर सकते हैं। इससे अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम होगी।

पाकिस्तान होगा पूरी तरह दरकिनारा

भारत और मध्य एशिया के बीच व्यापार

वर्चस्व टूटेगा जयशंकर ने आगे कहा... मैं निश्चित रूप से उन कदमों का समर्थन करूंगा जो हम अपने राष्ट्रीय मुद्दों में व्यापार के आपसी निपटान को सुविधा जनक बनाने के लिए उठा सकते हैं। इसका मतलब है कि भारत और मध्य एशियाई देश

बढ़ने से दोनों क्षेत्रों को फायदा होगा। भारत को मध्य एशिया से ऊर्जा और खनिज मिल सकते हैं। वहीं, मध्य एशियाई देशों को भारत से मिल सकते हैं। कनेक्टिविटी बढ़ने से व्यापार और आसान हो जाएगा। भारत चाबहार बंदरगाह के माध्यम से मध्य एशिया तक पहुंचने की कोशिश कर रहा है। इससे पाकिस्तान को दरकिनार किया जा सकेगा।

तब डोभाल ने भी सुरक्षित मध्य एशिया की बात की थी...

इससे पहले दिसंबर, 2022 की बात है, जब राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने दिल्ली में पहली मध्य एशियाई देशों के अपने समकक्षों के साथ एक मीटिंग की थी। उस वक डोभाल ने कहा था कि मध्य एशिया भारत का विस्तारित

पड़ोस है। भारत के लिए एक शांतिपूर्ण, सुरक्षित, समृद्ध मध्य एशिया साझा हित में बेहद जरूरी है। अब जयशंकर ने एक कदम आगे बढ़ते हुए इस क्षेत्र की सुरक्षा को ज्यादा महत्वपूर्ण करार दिया है।

मध्य एशिया से संपर्क इसलिए भी है जरूरी

मध्य एशिया खनिज और प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध क्षेत्र है। यहां कोयला, सीसा, जस्ता, सोना और लौह अयस्क के अलावा कजाकिस्तान में यूरैनियम का सबसे बड़ा भंडार पाया जाता है। किर्गिस्तान सोने और पनबिजली में समृद्ध है जबकि तुर्कमेनिस्तान में प्राकृतिक गैस के विश्व के सबसे बड़ा भंडार हैं। ताजिकिस्तान में भारी जलविद्युत क्षमता है जबकि उज्बेकिस्तान में सोना, यूरैनियम और प्राकृतिक गैस का भंडार पाया जाता है।

महत्वपूर्ण खबर

नदी में नहाने गए 11

युवक डूबे, सात की मौत



टोंक, 10 जून 2025 (ए)। राजस्थान के टोंक में मंगलवार को एक बड़ा हादसा सामने आया है, जहां बनास नदी में नहाने गए सात लोगों की मौत हो गई है। जबकि बाकी तीन लोगों की तलाश जारी है। जानकारी के अनुसार, यह घटना बनास नदी के पुराने पुल के पास की बताई जा रही है। 11 युवक बनास नदी में नहाने गए थे, तभी वे नदी की गहराई में पहुंच गए और अचानक सभी डूब गए। युवकों के डूबने की जानकारी मिलते ही मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से आठ युवकों को नदी से बाहर निकाला और उन्हें तुरंत ही इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया।

मल्टी स्टोरी बिल्डिंग में आग



पिता और 2 बच्चों की मौत

नई दिल्ली, 10 जून 2025 (ए)। दिल्ली के ब्राका में मंगलवार सुबह एक अपार्टमेंट के टॉप फ्लोर आग लगने से ऊपर के फ्लोर पर मौजूद लोगों ने पहले काफी देर तक किसी तरह खुद को बचाने की कोशिश की। बाद में थककर उन्होंने मजबूरन नीचे छलांग लगा दी। अपनी जान बचाने के लिए उन्होंने बिल्डिंग से खटांग लगाई लेकिन इलाज के दौरान तीनों लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में पिता और उनके दो बच्चे हैं।

ब्लैकमेलिंग में एंकर गई जेल



ब्लैकमेलिंग केस में पुलिस का बड़ा एक्शन

नोएडा, 10 जून 2025 (ए)। नोएडा के थाना सेक्टर-58 पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 65 करोड़ की ब्लैकमेलिंग साजिश का पर्दाफाश किया है। इस मामले में पुलिस ने एक महिला समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनकी पहचान साजिया निसार और आदर्श झा के रूप में हुई है।

राहुल गांधी चाईबासा कोर्ट में सशरीर होंगे हाजिर

रांची, 10 जून 2025 (ए)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी 6 अगस्त को चाईबासा की निचली अदालत में सशरीर हाजिर होंगे। यह जानकारी उनके अधिवक्ता दीपांकर ने ईटीवी भारत को दी है। उन्होंने बताया कि चाईबासा की निचली अदालत से उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी हुआ है।

पति की हत्या की साजिश में पत्नी ही निकली मास्टरमाइंड

सोनम की आंखों के सामने हुआ राजा का कत्ल



शिलॉन्ग/इंदौर/गाजीपुर, 10 जून 2025 (ए)। शिलॉन्ग में हुए राजा रघुवंशी हत्याकांड में चौकाने वाले खुलासे सामने आए हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, राजा की बेरहमी से हत्या उसकी पत्नी सोनम की मौजूदगी में की गई। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि हत्या के वक सोनम ने आरोपियों से कहा मार डालो इसे। जानकारी के अनुसार, 23 मई को शिलॉन्ग के वेसांडोंग फोल्स के पास राजा की हत्या की गई। जांच में सामने आया कि हमला दो दिशाओं से हुआ एक वार सामने से और दूसरा पीछे से, दोनों ही सिर पर। पीछे से घातक वार विशाल

चौहान ने किया, जिससे राजा तुरंत जमीन पर गिर गया और उसे संभलने का मौका तक नहीं मिला।

सोनम की मौजूदगी में रची गई खूनी साजिश

पुलिस को मिले इनपुट्स के अनुसार, सोनम हमलावरों के संपर्क में पहले से थी। न उसने राजा को बचाने की कोशिश की, न ही वारदात के बाद मदद के लिए कोई शोर मचाया।

एक्टिवा छीनकर लूट की झूठी कहानी का था प्लान

जिस एक्टिवा स्कूटर पर राजा घटना स्थल तक पहुंचा था, वह

वारदात से ठीक पहले उससे छीन ली गई थी। पुलिस ने एक्टिवा को बरामद कर लिया है और अब उसका फॉरेंसिक परीक्षण कराया जा रहा है। माना जा रहा है कि इस गाड़ी से हमलावरों के मूवमेंट और टाइमलाइन को जोड़ने में मदद मिलेगी।

आरोपी रख रहा था पहरा

घटना के दौरान एक और आरोपी आकाश राजपूत बाहर खड़ा होकर पहरा दे रहा था, ताकि कोई राहगीर या चरमदींद न बन जाए। वह जिस बाइक पर निगरानी रख रहा था, उसका भी पता पुलिस को चल गया है। बाइक को जब्त कर लिया गया है और आरोपी के मूवमेंट को ट्रैक किया जा रहा है।

सोनम का खौफनाक प्लान

सोनम ने राज कुशवाह से कहा था, हम राजा को मार देंगे, फिर एक झूठी लूट का मामला बनाएंगे। इसके बाद मैं विधवा बन जाऊंगी और पापा भी हमारी शायी को मंजूरी दे देंगे। इस साजिश की भयावहता सुनकर हर किसी के रोंगटे खड़े हो जाएं।

राजा रघुवंशी हत्याकांड: पत्नी सोनम रघुवंशी की चैट सामने आई...

हनीमून पर पति की हत्या की आरोपी सोनम रघुवंशी से पूछताछ का दौर जारी है। इसी बीच खबरें हैं कि वह शादी के पहले और बाद तक भी कथित प्रेमी राज कुशवाह के संपर्क में थी। कहा जा रहा है कि सोनम ने राज को मैसेज भी किए, जहां वह राजा रघुवंशी से जुड़ी शिकायतों कर रही है। हालांकि, पुलिस ने इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से सोनम और राज के बीच हुई चैट की जानकारी दी गई है। इसके अनुसार, सोनम ने राज से कहा था कि उसे राजा का उसके करीब आना पसंद नहीं है। उसने राज से यह भी कहा था कि शादी से पहले ही उसने राज से दूरी बनाना शुरू कर दिया था।

ईडी ने मुड़ा मामले में 100 करोड़ रुपये की कीमत वाली 92 संपत्तियों को जब्त किया

नई दिल्ली, 10 जून 2025 (ए)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (मुड) के घोटाले में 100 करोड़ रुपये की कीमत वाली 92 अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया है। ईडी ने यह कार्रवाई राविवार 9 जून को धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत की है, जो मैसूर में लोकायुक्त पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर के



सहकारी समितियों और कुछ व्यक्तियों के नाम पर पंजीकृत है। बताया जा रहा है कि ये लोग मुड के अधिकारियों सहित प्रभावशाली व्यक्तियों के मुखौटे या दलाल बताए जाते हैं।

आधार पर शुरू की गई जांच से उपजी है। घोटाले में कथित तौर पर मुख्यमंत्री सिद्धार्थसेना का नाम भी शामिल है। ईडी के अधिकारियों ने बताया कि कुर्की की कार्रवाई उन विचारोधीन संपत्तियों पर की गई है, जो मुड स्थल हैं और आवास

ऐसा क्या हुआ जो प्रेमिका की चिता पर कूदा युवक

नागपुर, 10 जून 2025 (ए)। आग का दरिया है डूबकर जाना है... यह पंक्ति जिगर मुरादाबादी के एक शेर से ली गई है... हालांकि नागपुर के एक युवक ने इसे चरितार्थ करने की कोशिश की। नागपुर जिले के कामटो में एक युवक ने अपनी प्रेमिका के अंतिम संस्कार के दौरान जलती चिता पर कूदकर आत्महत्या की कोशिश की। इस घटना ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया। 19 वर्षीय अंकिता नाम की युवती ने 8 जून को अपने घर में आत्महत्या कर ली थी। परिवार और मोहल्ले में शोक की लहर थी। जब उसका अंतिम संस्कार किया जा रहा था, तभी वहां मौजूद अनुराग मेश्राम नामक युवक जो अंकिता से प्रेम



करता था अचानक चिता पर कूद गया। प्रत्यक्ष दृश्यों के अनुसार, अनुराग बेहद भावुक था और अंतिम संस्कार के दौरान फूट-फूटकर रो रहा था। लेकिन जैसे ही चिता जलने लगी, उसने अचानक खुद को आग में झोंकने



की कोशिश की। वहां मौजूद लोगों ने किसी तरह उसे बाहर खींचा, लेकिन इस दौरान उन्होंने उसे पीट भी दिया। आनन-फानन में घायल अनुराग को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

बेंगलुरु भगदड़ पर पहली बार आया राहुल द्रविड़ का बयान

नई दिल्ली, 10 जून 2025 (ए)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूर के आईपीएल जीतने के बाद बेंगलुरु में समारोह के वक चित्रास्वामी स्टैडियम के बाहर भगदड़ को लेकर लगातार हंगामा जारी है। अब पूर्व क्रिकेटर राहुल द्रविड़ में बेंगलुरु में भगदड़ की घटना को लेकर अपना बयान जारी किया है। भारत के पूर्व क्रिकेटर राहुल द्रविड़ बेंगलुरु में हुई भगदड़ में जान गंवाने वालों के लिए दुख जाहिर किया है। राहुल ने इस हादसे को दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद कारार दिया है। राहुल ने कहा-यह काफी निराशाजनक है, बहुत दुखद, मेरी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं।



भारत और म्यांमार सीमा पर पिछले 36 घंटे में लगे भूकंप के 6 झटके

नई दिल्ली, 10 जून 2025 (ए)। भारत और म्यांमार सीमा पर पिछले 36 घंटों में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। यह हल्के से मध्यम तीव्रता के बताए जा रहे हैं। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 3.8 से लेकर 4.5 मापी गई है। आखिरी भूकंप

सीमापार से आतंकी हमला हुआ तो पाकिस्तान के अंदर घुसकर मारेगा भारत



एस जयशंकर का दो टूक जवाब

नई दिल्ली, 10 जून 2025 (ए)। भारत और पाकिस्तान के बीच हाल के तनाव के तीन सप्ताह बाद, विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने पाकिस्तान को कड़ी

चेतावनी दी है। ब्रुसेल्स दौरे पर एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि यदि पाकिस्तान से फिर आतंकी हमला हुआ, तो भारत करारा जवाब देगा और आतंकी ठिकानों को पाकिस्तान में घुसकर नष्ट करेगा। जयशंकर ने स्पष्ट किया कि भारत का ऑपरेशन सिंदूर अभी समाप्त नहीं हुआ है और सरकार आतंकवाद के खिलाफ सख्त और पाकिस्तान के बीच हाल के तनाव के तीन सप्ताह बाद, विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने पाकिस्तान को कड़ी

अब ओवररेटिंग पर लगेगी रोक



व्यूआर कोड से जान सकेंगे सही रेट

इंदौर, 10 जून 2025 (ए)। मध्य प्रदेश के इंदौर में सरकारी शराब दुकानों पर मनमानी कीमत वसूलने की शिकायतों के बाद आवकारी विभाग ने कड़ा कदम उठाया है। एक अप्रैल 2025 से लागू हुए नए शराब डेकों के बाद ग्राहकों से अधिक कीमत वसूलने की शिकायतें लगातार सामने आ रही थीं। इसे देखते हुए आवकारी विभाग ने शहर की सभी 173 सरकारी शराब दुकानों पर क्यूआर कोड लगाने का निर्देश जारी किया है। इस नई व्यवस्था के तहत अब ग्राहक त्ककोड स्कैन कर किसी भी शराब ब्रांड का न्यूनतम विक्रय मूल्य (रस्कर) और अधिकतम विक्रय मूल्य आसानी से जान सकेंगे। यह कदम शराब बिक्री में पारदर्शिता लाने और उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए उठाया गया है।

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

घटती घटना

लेख एवं विचार अभिव्यक्ति

अम्बिकापुर, बुधवार 11 जून 2025

2

संपादकीय

सामाजिक न्याय और समानता को बढ़ावा देना

जाति जनगणना दशकों से निष्क्रिय रही है, जो अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों तक ही सीमित है। बिहार जाति जनगणना के बाद, एक व्यापक राष्ट्रीय जाति जनगणना की मांग एक प्रमुख राजनीतिक मुद्दे के रूप में उभरी है। मौजूदा सरकार ने राजनीतिक स्पेक्ट्रम के पार से दबाव के बाद, जाति-आधारित जनगणना करने के अपने इरादे की घोषणा की है। इस कदम का उद्देश्य जाति-वार तरीके से भारतीय आबादी की सामाजिक-आर्थिक स्थिति का आकलन करना है-सकारात्मक कार्रवाई के लिए संविधान में निहित एक प्रेरणी। समय महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह सामाजिक न्याय और समानता की आवश्यकता को प्रबल करता है। सतत प्रगति और सामाजिक उत्थान के लिए इन सिद्धांतों को लागू करना सुनिश्चित करना सरकार का सबसे बड़ा कर्तव्य है।

एक व्यापक जाति जनगणना भर्ती, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और सामाजिक सुरक्षा में लगातार असमानताओं को उजागर करने का वादा करती है। विश्लेषक बताते हैं कि कई सार्वजनिक सेवाएँ और सरकारी योजनाएँ जाति, लिंग, भूगोल और आर्थिक स्थिति के परस्पर विरोधी नुकसानों के कारण सबसे ह्रास पर पड़े समुदायों तक पहुँचने में विफल रहती हैं। विश्वसनीय डेटा नीति निर्माताओं को सकारात्मक कार्रवाई योजनाओं को परिष्कृत करने का एक नया अवसर प्रदान करेगा, यह सुनिश्चित करते हुए कि लाभ ह्रास पर पड़े जाति समूहों सहित कमजोर और दलित वर्गों तक पहुँचें। ये सकारात्मक योजनाएँ-सरकारी सेवाओं, उच्च शिक्षा और सार्वजनिक सेवाओं में आरक्षण से लेकर भूमि वितरण और आजीविका कार्यक्रमों तक-सबसे अधिक वंचित स्थितियों में रहने वालों पर प्रभावी रूप से लक्षित होनी चाहिए। सटीक आँकड़े कार्यान्वयन और संसाधन वितरण की प्रभावशीलता का आकलन करने में मदद करेंगे। उदाहरण के लिए, ये प्रत्येक जाति समूह के लिए आरक्षण का उचित प्रतिशत निर्धारित करने में मदद कर सकते हैं या यह मूल्यांकन कर सकते हैं कि संसद और राज्य विधानसभाओं में आरक्षित सीटें जनसांख्यिकीय वास्तविकताओं को दर्शाती हैं या नहीं, जिससे जमीनी स्तर पर प्रतिनिधित्व मजबूत होगा। जाति गणना का भारत में एक ऐतिहासिक उदाहरण है। यह 1881 और 1931 के बीच औपनिवेशिक प्रशासन द्वारा संचालित किया गया था, जिसके दौरान अंग्रेजों ने जनसंख्या को वर्गीकृत और नियंत्रित करने के लिए धार्मिक और व्यावसायिक श्रेणियों के साथ जाति पहचान को सूचीबद्ध किया था। 1951 में, जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में नव-संरभु भारतीय प्रशासन ने अनुसूचित श्रेणियों से परे जाति गणना को बंद कर दिया।

रिश्तों के लाश पर खड़ा आधुनिक प्रेम



डॉ सत्यवान सौरभ
बड़वा (सिवानी)
भिवानी, हरियाणा

इंदौर के राजा और मेघालय की सोनम के हनीमून पर हुई हत्या की घटना न केवल व्यक्तिगत त्रासदी है, बल्कि सामाजिक, नैतिक और मानसिक स्तर पर गहरी चिंता पैदा करती है। यह अपराध आधुनिक प्रेम और विवाह संबंधों में फैलते अविश्वास और स्वार्थ की भयावह तस्वीर पेश करता है। साथ ही, मेघालय जैसे पर्यटन स्थलों की छवि भी प्रभावित होती है। ऐसी घटनाएँ भावनात्मक शिक्षा, रिश्तों में पारदर्शिता और समाज के नैतिक मूल्यों की पुनर्समीक्षा की मांग करती हैं। भारत के सामाजिक परिदृश्य में प्रेम, विवाह और रिश्तों को पवित्र बंधन माना जाता रहा है। लेकिन जब हनीमून जैसी कोमल, सुंदर और विश्वास से भरी यात्रा हत्या का मंच बन गया, तो हम सिर्फ एक अपराध नहीं होता, यह पूरे समाज की अंतरात्मा पर चोट करता है।

इंदौर के राजा और मेघालय की सोनम का हनीमून मर्डर केस केवल एक युवक की जान नहीं ले गया, उसने नार्थ ईस्ट की छवि को भी कलंकित किया, टूरिज्म सेक्टर पर प्रचंड छाप डाल दी और सबसे बड़ी बात-विश्वास की नींव पर टिके रिश्तों को ध्वस्त कर दिया। इंदौर निवासी युवक राजा की शादी

हाल ही में सोनम नामक युवती से हुई। नवविवाहित जोड़ा हनीमून मनाने मेघालय पहुंचा। वहाँ की खूबसूरत वादियों, शांत झीलों और पहाड़ी रास्तों के बीच ऐसा कुछ हुआ जिसकी कल्पना कोई नहीं कर सकता था। हनीमून के बहाने सोनम ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति की हत्या की योजना बनाई और उसे अंजाम भी दे डाला। शुरुआत में राजा का गायब होना एक दुर्घटना माना गया। लेकिन जब पुलिस ने जांच आगे बढ़ाई, मोबाइल लोकेशन, चैट्स, बैंक ट्रांजैक्शन और सीसीटीवी फुटेज सामने आए, तब जोकर पूरी साजिश बेनकाब हुई। सवाल यह है कि एक नवविवाहित ऐसा क्यों करती है? जवाब आसान नहीं है, पर चिंतन जरूरी है। यह मामला केवल व्यक्तिगत धोखा नहीं, समाज की उस बनती मानसिकता का भी परिणाम है, जिसमें रिश्तों में धैर्य, संवाद और समर्पण की जगह जलजबाजी, लालच और अवसरवाद ने ले ली है। सोनम पहले से एक अन्य युवक से प्रेम करती थी, और राजा से विवाह सिर्फ परिवार या आर्थिक मजबूरियों के चलते हुआ। लेकिन विवाह के बाद भी उसने उस प्रेमी को छोड़ा नहीं, बल्कि पति को रास्ते से हटाने की योजना बना डाली। आज के दौर में रिश्तों की शुरुआत इंस्टाग्राम और व्हाट्सैप से



होती है, और अंत क्राइम प्रोड्रोल या पुलिस स्टेशन पर। भावनात्मक गहराई, एक-दूसरे को समझने का समय और परख की प्रक्रिया लगभग न के बराबर रह गई है। विवाह को लेकर जिस जल्दबाजी और सामाजिक दबाव की संस्कृति बन गई है, उसमें युवक-युवती को खुद की इच्छाओं और संबंधों को समझने का समय ही नहीं मिलता। भावनात्मक अपरिपक्वता, आत्मकेंद्रित निर्णय और रिश्तों के प्रति गैर-जिम्मेदारी, इन सबका सम्मिलन इस हत्याकांड जैसी घटनाओं को जन्म देता है। यह घटना मेघालय के खूबसूरत पर्यटन स्थलों जैसे शिलॉंग, चेरापूंजी, डब्रुकी, उमांग नदी आदि की छवि पर भी असर डाल गई। सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स ने इसे मेघालय हनीमून मर्डर केस कहना शुरू कर दिया, जिससे नार्थ

ईस्ट राज्यों के प्रति अनावश्यक संदेह और डर का वातावरण बन रहा है। लेकिन प्रश्न यह है क्या एक महिला की निजी आपराधिक साजिश पूरे क्षेत्र को बदनाम कर सकती है? उत्तर है-नहीं। यह वही मानसिकता है जो किसी मुस्लिम अपराधी को देख पूरे धर्म पर टिप्पणी कर देती है, या किसी एक दलित व्यक्ति के कारण पूरी जाति को दोषी ठहराती है। यह सोच भी उतनी ही खतरनाक है जितनी खुद वह घटना।

शादी अब समझौता नहीं, सौदा बन रही है।
प्रेम अब समर्पण नहीं, स्वार्थ बन गया है।

और भरोसा अब भावना नहीं, बिजनेस जैसा व्यवहार हो गया है। जिस तरह से सोनम ने योजनाबद्ध तरीके से पति की हत्या की, वह दिखाता है कि क्रूरता अब हथियार से नहीं, रिश्तों के माध्यम से भी हो

रही है। मीडिया ने इस घटना को सनसनीखेज ढंग से दिखाया। शीर्षक आए— हनीमून बना हत्याकांड का अड्डा बेवफा बीवी की खूनी प्लानिंग राजा गया, सोनम हँसी लेकिन इन सुखियों के पीछे की वास्तविक पीड़ा, राजा के माता-पिता का दुःख, और समाज में बनती विडंबनाओं की चर्चा लगभग नदारद रही। सोशल मीडिया पर भी मामला जल्दी ही मेमे और चुटकुलों का विषय बन गया। पूरा नार्थ ईस्ट सोनम की बेवफाई से बदनाम हो गया। हनीमून पर जाने से पहले पुलिस वेरिफिकेशन जरूरी कर लो। यह हास्य के नाम पर एक मानवीय त्रासदी का उद्घाटन है।

कुछ लोग कह सकते हैं कि यह एक अलग-थलग मामला है। लेकिन सच यह है कि ऐसे रिस्ते-जिनत अपराध बढ़ रहे हैं। कहीं पति पत्नी को दहेज के लिए मार रहा है। कहीं पत्नी प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर रही है। कहीं दोनों मिलकर बच्चों को मार डालते हैं। यह सब संकेत हैं-कि हमारा समाज कहीं न कहीं भावनात्मक पतन, सामाजिक अस्थिरता और नैतिक विघटन की ओर बढ़ रहा है। ऐसे में अब सवाल समाधान का है।

स्कूलों और कॉलेजों में सिर्फ करियर या डिग्री की बात न हो, बल्कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता, रिश्तों की समझ, संवाद की कला और वैवाहिक जीवन की जिम्मेदारियों की चर्चा हो। जैसे स्वास्थ्य चेकअप होता है, वैसे ही शादी से पहले मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग अनिवार्य हो। सोशल मीडिया को ऐसी घटनाओं को सनसनी नहीं, संवेदना के साथ पेश करने की जिम्मेदारी निभानी होगी। परिवारों को संवादशील बनना होगा, ताकि युवा खुलकर अपनी उलझनों को साझा कर सकें। जब एक युवती अपने पति की हत्या करती है, तो हम उसे डाइन, खूनी, बेवफा कह देते हैं और सही भी है, अगर वह दोषी है। लेकिन क्या हमने कभी उन हजारों बेटियों की सुध ली जो दहेज, बलात्कार, या मारपीट में मर जाती हैं? क्या हम अपराध को सिर्फ लिंग के आधार पर देखेंगे या सिद्धांतों और संवेदनाओं के आधार पर? राजा की हत्या कोई फिल्मी सस्पेंस नहीं, यह हकीकत है। एक माँ का बेटा गया, एक बहन का भाई आया और एक परिवार की खुशियाँ छिन गईं। वहीं दूसरी ओर-एक राज्य बदनाम हो गया, और पूरे पर्यटन क्षेत्र पर प्रश्न चिह्न लग गया। हम इस घटना को केवल एक अपराध के रूप में न देखें, बल्कि एक सामाजिक चेतावनी के रूप में लें। यह हमें बताती है कि अब वक्त आ गया है-जब हमें केवल रिस्ते जोड़ने की नहीं, उन्हें निभाने की शिक्षा भी देनी होगी।

अटल पेंशन योजना-सभी को आर्थिक सुरक्षा एवं सम्मान

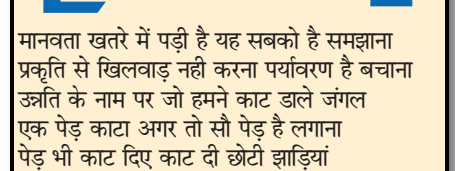
वृद्धावस्था किसी भी व्यक्ति के जीवन का एक महत्वपूर्ण चरण होता है और दुनिया भर की सरकारें अपने लोगों के लिए जीवन के इस चरण को अधिक स्थिर, सम्मानजनक, तनाव मुक्त और आर्थिक रूप से सुरक्षित बनाने का प्रयास कर रही हैं। जनसंख्या के अनुमानों से संबंधित तकनीकी समूह की रिपोर्ट (जुलाई 2020) के अनुसार, भारत में बुजुर्गों की आबादी 2031 तक 19 करोड़ से अधिक हो जाने की उम्मीद है। यह आबादी उस समय की भारत की कुल जनसंख्या का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा होगी। वरिष्ठ नागरिकों की जनसंख्या में यह नाटकीय प्रत्याशित वृद्धि इन वृद्धों की सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा पर ध्यान देने की तात्कालिक आवश्यकता को रेखांकित करती है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार द्वारा 9 सितंबर 2015 को अटल पेंशन योजना (एपीवाई) की शुरुआत की गई और भारत के असांगठित क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा प्रणाली का निर्माण किया गया। यह योजना असांगठित क्षेत्र के श्रमिकों के बीच बुजुर्गों को उभरते पेशे आने वाले जोखिमों को दूर करने में मदद करती है और श्रमिकों को



समाज के आर्थिक रूप से वंचित वर्गों के लिए सुलभ बनाता है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि एपीवाई का जन्म एक ही उद्देश्य-वंचितों को पेंशन क्षेत्र के दायरे में लाने के लिए हुआ था। कुछ पुरानी योजनाओं में, पेंशन की राशि गरीब बुजुर्गों के लिए बहुत कम है। इसी तरह, तुलनीय योजनाओं के लिए, कवरेज से संबंधित सीमाएँ एक बड़ी बाधा हैं। उदाहरण के लिए, ईपीएस केवल उन्हीं संगठनों पर लागू होता है जो कम से कम 20 व्यक्तियों को रोजगार देते हैं और अधिकांश रूप से संगठित क्षेत्र की जरूरतों को पूरा करते हैं। इस आलोचना में, एपीवाई न केवल आर्थिक रूप से कमजोर आबादी के एक बड़े हिस्से को अपने दायरे में लाता है, बल्कि यह 2047

तक कारगर करने के सपने के सपने को साकार नहीं करेगा। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि एपीवाई का जन्म एक ही उद्देश्य-वंचितों को पेंशन क्षेत्र के दायरे में लाने के लिए हुआ था। कुछ पुरानी योजनाओं में, पेंशन की राशि गरीब बुजुर्गों के लिए बहुत कम है। इसी तरह, तुलनीय योजनाओं के लिए, कवरेज से संबंधित सीमाएँ एक बड़ी बाधा हैं। उदाहरण के लिए, ईपीएस केवल उन्हीं संगठनों पर लागू होता है जो कम से कम 20 व्यक्तियों को रोजगार देते हैं और अधिकांश रूप से संगठित क्षेत्र की जरूरतों को पूरा करते हैं। इस आलोचना में, एपीवाई न केवल आर्थिक रूप से कमजोर आबादी के एक बड़े हिस्से को अपने दायरे में लाता है, बल्कि यह 2047 तक कारगर करने के सपने के सपने को साकार नहीं करेगा। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि एपीवाई का जन्म एक ही उद्देश्य-वंचितों को पेंशन क्षेत्र के दायरे में लाने के लिए हुआ था। कुछ पुरानी योजनाओं में, पेंशन की राशि गरीब बुजुर्गों के लिए बहुत कम है। इसी तरह, तुलनीय योजनाओं के लिए, कवरेज से संबंधित सीमाएँ एक बड़ी बाधा हैं। उदाहरण के लिए, ईपीएस केवल उन्हीं संगठनों पर लागू होता है जो कम से कम 20 व्यक्तियों को रोजगार देते हैं और अधिकांश रूप से संगठित क्षेत्र की जरूरतों को पूरा करते हैं। इस आलोचना में, एपीवाई न केवल आर्थिक रूप से कमजोर आबादी के एक बड़े हिस्से को अपने दायरे में लाता है, बल्कि यह 2047

कविता एक पेड़ काटा अगर तो सौ पेड़ लगाना...



मानवता खतरे में पड़ी है यह सबको है समझाना प्रकृति से खिलवाड़ नहीं करना पर्यावरण है बचाना उर्वरि के नाम पर जो हमने काट डाले जंगल एक पेड़ काटा अगर तो सौ पेड़ है लगाना पेड़ भी काट दिए काट दी छोटी झाड़ियाँ मैदान बना डाली वह सुंदर दिखती पहाड़ियाँ छाया के लिए ढूँढ़ता फिर रहा कोई घना पेड़ चुकानी तो पडेगी तुझे यह सब देनदारियाँ लगा दी आग जंगलों में पक्षी घोंसला कहां बनाए पानी के लिए मर रहे अपनी तरफ किसको दिखाए अंडों समेत जल गई उन पर बैठे माता बच्चों संग मां कैसे जल गई यह उन्हें कैसे समझाए प्रकृति से छेड़-छाड़ का तो सौ पेड़ है लगाना हर वर्ष बादल फटते हैं तूफान और बाढ़ हैं आते गुनाह करने वाला तो कोई और ही होता है मरते हैं बरतें लोग बिना कसूर सजा हैं पाते गंदगी हम फैलाते हैं प्लास्टिक हम हैं जलाते स्वार्थ सिद्धि के लिए जंगलों में आग है लगाते छोटे पौधे पशु पक्षी और जानवर इस आग की भेंट हैं चढ़ जाते कारखानों का कचरा सारा दरिया में हैं बहाते सब्जियों पर केमिकल तो नहीं मिलेगा घटती जाएगी आयु पर्यावरण दिवस नहीं मनाना साल में केवल एक बार सुरक्षित जीवन जीना है तो मनाइये इसे बारम्बार अगली पीढ़ी याद करेगी हम सबको बुझ लगा कर करोगे यदि इस धरती का श्रृंगार।

कविता जलने लगा है पर्यावरण...



मचा हुआ है हाहाकार, इस भीषण गर्मी के कारण धरती अन्धकार धधक रहा है, जलने लगा है पर्यावरण। जीव-जगत है, खाह-खाह, हरियाली भी है हलकाका पेड़-पौधे ये झुलस रहे हैं, और झुलसे हैं सारा जहान। पेड़-पौधे बिलख रहे हैं, और ये छाया भी है परेशान पेड़ों की कोई दर्द न जाने अनजान बना है यह इंसान। एक पेड़ कोई, लगाता नहीं, सैकड़ों उजाड़ जाता है यह इंसान अपने पैरों पर खुद कुल्हाड़ी मार जाता है। जब पड़ती है भीषण गर्मी, वह छाया तलाश करता है जिस पेड़ों में शरण लेता, फिर उसी पेड़ को काटता है। कौन समझाए इन जालिमों को, पेड़ है तो जिंदगी है। पेड़ बिना जिंदगी नामुमकीन है इसी से ही जिंदगी है।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटीक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को उतेर पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

लोकतंत्रों से अपेक्षा की जाती है कि वे वंचितों और अल्पवंचितों तक सेवाओं और सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित करने में उच्च मानकों पर खरे उतरें। भारत में यह कसौटी और भी कठोर है। कोई भी नारा बिना उद्देश्य के और कोई भी दावा बिना परिणाम के नहीं टिकता। वास्तविक बदलाव का फायदा समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए, क्योंकि हमारे लोकतंत्र में, अल्पोदय (समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान) के लिए वोट किया जाता है। यही कारण है कि मोदी 3.0 के एक वर्ष में, दिल्ली, महाराष्ट्र और हरियाणा में मिले शानदार जनदेश केवल राजनीतिक उपलब्धि नहीं हैं, बल्कि वे इस बात की पुष्टि करते हैं कि आज के भारत में, बयानबाजी नहीं, बल्कि काम करके भरोसा जीता जाता है। अल्पोदय के माध्यम से सर्वोदय के दर्शन पर आधारित कार्यक्रम यह सुनिश्चित करते हैं कि देश के विकास में कोई भी भारतीय पीछे न छूट जाए। 25 करोड़ से अधिक लोगों को कई तरह की गरीबी से बाहर निकाला गया है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) के माध्यम से 11 करोड़ से अधिक किसानों को 73.68 लाख करोड़ से अधिक वितरित किए गए हैं। लखपति दीदी पहल ने एक करोड़ से अधिक ग्रामीण महिलाओं को सालाना 71 लाख से अधिक आय प्राप्त करने का अधिकार दिया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लगभग 3 करोड़ घरों को मंजुरी दी गई है। जल जीवन मिशन के तहत, 15.44 करोड़ से अधिक ग्रामीण घरों में नल के पानी के कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं। 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी नागरिकों को प्रति वर्ष 5 लाख रुपये के निःशुल्क स्वास्थ्य कवरेज प्रदान करने के लिए, आयुधान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-

मोदी का 11 वां साल: भारत के बदलाव में एक बड़ी उपलब्धि



जेएवाई) का विस्तार किया गया है, चाहे उनकी आय कुछ भी हो। इससे लगभग 6 करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को लाभ होने की उम्मीद है, जिससे उन्हें व्यापक स्वास्थ्य सेवा और वित्तीय सुरक्षा मिलेगी। इसके अलावा, इस योजना का विस्तार करके अग्रिम पंक्ति के सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों को भी इसमें शामिल किया गया। ये चौका देने वाले आंकड़े केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि लाखों भारतीय घरों में बदलाव की कहानियाँ हैं। आतंकवादियों के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस नीति से संबंधित प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता पहलगायम हमले के बाद त्वरित प्रतिक्रिया में स्पष्ट थी, जहां आतंकवादियों ने निंदोष पर्यटकों को निशाना बनाया था। देश ने नुकसान पर शोक व्यक्त किया, लेकिन एकजुट होकर ऑपरेशन सिंदूर को सटीकता और दबदबे के साथ अंजाम दिया, जिससे उसके आतंकवाद से लड़ने और अपने नागरिकों की रक्षा करने के संकल्प की पुष्टि हुई। दुनिया ने प्रधानमंत्री मोदी के मजबूत और निर्णायक नेतृत्व द्वारा समर्थित भारतीय रक्षा बलों की तकनीकी और रणनीतिक श्रेष्ठता देखी है। दुष्ट राजनीतिक इच्छाशक्ति आत्मनिर्भरता के लिए रणनीतिक निवेश से मेल खाती है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत की व्यापक सटीकता, आंशिक रूप से कई वर्षों तक स्वदेशी रक्षा

के कारण समीकंडक्टर क्षेत्र में प्रगति कर रहा है। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स असम में 27,000 करोड़ के निवेश से समीकंडक्टर असेंबली और परीक्षण संयंत्र बना रहा है, जिसके 2025 के मध्य तक परिचालन में आने और हिस्सेदारी हो गई है, जो यूपीआई जैसे प्लेटफॉर्म पर आधारित है जिसने वित्तीय लेन-देन को सभी के लिए आसान बना दिया है। इन प्रणालियों ने न केवल नागरिकों को सशक्त बनाया है बल्कि शासन को और भी स्मार्ट, तेज और पारदर्शी बनाया है। 2024-25 के केंद्रीय बजट में हमारी सरकार की निर्णय लेने की क्षमता साफ नजर आती है। कुल व्यय? 44.6 लाख करोड़ निर्धारित किया गया, जिसमें पूंजीगत व्यय को अभूतपूर्व रूप से बढ़ाकर? 10 लाख करोड़ किया गया। कर छूट को बढ़ाया गया, मध्यम वर्ग के लिए रिबेट दोगुनी कर दी गई और लंबे समय से स्टार्टअप के लिए चिंता का विषय रहे एंजल टैक्स को समाप्त कर दिया गया। इन सुधारों से उपभोग पर बढ़ोतरी होती है, उद्यमशीलता को बढ़ावा मिलता है और भारत के दीर्घकालिक विकास पथ को मजबूती मिलती है। मोदी 3.0 के एक साल पूरे होने पर, बदलाव स्पष्ट नजर आ रहा है। सड़कें, कारखाने और सौर पैनल सिर्फ प्रगति के संकेत नहीं हैं, बल्कि वे आकांक्षओं की नींव हैं। आर्थिक, सामाजिक और रणनीतिक सहित हर क्षेत्र में भारत राष्ट्रीय स्तर पर नवीनीकरण का एक नया अध्याय लिख रहा है। जनदेश भी स्पष्ट है। विजन बरकरार है। और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, निर्णायक दशक अच्छी तरह से आगे बढ़ रहा है। इतिहास इस वक्त को सिर्फ तेज विकास के चरण के रूप में ही नहीं, बल्कि उस क्षण के रूप में दर्ज करेगा, जब भारत ने विश्वास किया, बदलाव किया और नेतृत्व किया है।

आधार नामांकन के साथ, यह दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल पहचान कार्यक्रम बन गया है। अब हमारी वैश्विक डिजिटल पेमेंट में 46 वें हिस्सेदारी हो गई है, जो यूपीआई जैसे प्लेटफॉर्म पर आधारित है जिसने वित्तीय लेन-देन को सभी के लिए आसान बना दिया है। इन प्रणालियों ने न केवल नागरिकों को सशक्त बनाया है बल्कि शासन को और भी स्मार्ट, तेज और पारदर्शी बनाया है। 2024-25 के केंद्रीय बजट में हमारी सरकार की निर्णय लेने की क्षमता साफ नजर आती है। कुल व्यय? 44.6 लाख करोड़ निर्धारित किया गया, जिसमें पूंजीगत व्यय को अभूतपूर्व रूप से बढ़ाकर? 10 लाख करोड़ किया गया। कर छूट को बढ़ाया गया, मध्यम वर्ग के लिए रिबेट दोगुनी कर दी गई और लंबे समय से स्टार्टअप के लिए चिंता का विषय रहे एंजल टैक्स को समाप्त कर दिया गया। इन सुधारों से उपभोग पर बढ़ोतरी होती है, उद्यमशीलता को बढ़ावा मिलता है और भारत के दीर्घकालिक विकास पथ को मजबूती मिलती है। मोदी 3.0 के एक साल पूरे होने पर, बदलाव स्पष्ट नजर आ रहा है। सड़कें, कारखाने और सौर पैनल सिर्फ प्रगति के संकेत नहीं हैं, बल्कि वे आकांक्षओं की नींव हैं। आर्थिक, सामाजिक और रणनीतिक सहित हर क्षेत्र में भारत राष्ट्रीय स्तर पर नवीनीकरण का एक नया अध्याय लिख रहा है। जनदेश भी स्पष्ट है। विजन बरकरार है। और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, निर्णायक दशक अच्छी तरह से आगे बढ़ रहा है। इतिहास इस वक्त को सिर्फ तेज विकास के चरण के रूप में ही नहीं, बल्कि उस क्षण के रूप में दर्ज करेगा, जब भारत ने विश्वास किया, बदलाव किया और नेतृत्व किया है।

रामायण कालीन धरोहरों से समृद्ध रामगढ़ में 11 व 12 जून को होगा रामगढ़ महोत्सव

» सांस्कृतिक,शास्त्रीय और शोध कार्यक्रमों का होगा आयोजन

- संवाददाता -
 अम्बिकापुर, 10 जून 2025 (घटती-घटना)।
 प्राकृतिक संपदा और ऐतिहासिक-धार्मिक मान्यताओं से परिपूर्ण रामगढ़ में इस वर्ष भी अपने गौरवशाली इतिहास का उत्सव रामगढ़ महोत्सव का आयोजन करने जा रहा है। आषाढ़ माह के प्रथम दिवस 11 और 12 जून को दो दिवसीय रामगढ़ महोत्सव का भव्य आयोजन होगा, जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम, राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी, विद्यालयीन प्रस्तुतियां और कवि सम्मेलन से लेकर शास्त्रीय नृत्य व संगीत तक की रंगारंग प्रस्तुतियां शामिल होंगी।

ऐतिहासिक विरासत से जुड़ा रामगढ़

उदयपुर का रामगढ़ प्राकृतिक वन संसाधनों और अपने ऐतिहासिक मान्यताओं की वजह से देश भर में प्रसिद्ध है। यहां रामायण कालीन साक्ष्य मिलते हैं,भगवान श्रीराम अपने वनवास काल के



दौरान माता सीता और लक्ष्मण ने यहां रहकर कुछ समय बिताया था। रामगढ़ में 200 ई.पू. भरत मुनि ने अपनी नाट्यशाला की स्थापना की थी। शिलालेख के अनुसार यह विश्व की प्राचीनतम नाट्यशाला है। इसी स्थान पर महाकवि कालीदास ने विश्व प्रसिद्ध ग्रंथ मेघदूत की रचना की।



रामगढ़ पहाड़ी के 1000 फीट की ऊंचाई पर राम-जानकी मंदिर स्थित है। वनवास काल के दौरान भगवान श्रीराम मंदिर स्थल के अरण्य क्षेत्र में विश्राम किये थे। यहीं मंदिर से 50 मीटर की दूरी में पश्चिमी एवं उत्तर की दिशा में राम जानकी कुण्ड स्थित है। मान्यता है कि यहां पर माता



सीता स्नान करने आती थी। इस कुण्ड के जल को अत्यंत पवित्र माना जाता है। रामगढ़ की पर्वतीय चट्टानों के नीचे प्राकृतिक गुफा है जहां की चंदन मिट्टी से श्री रामचंद्र एवं लक्ष्मण ने अपनी जटाओं को धोकर साफ किया था। जिसकी वजह से लोग चंदन मिट्टी को पवित्र मानकर



अपने माथे पर लगाते हैं। रामगढ़ पहाड़ी अपने आप में अद्भुत है, पहाड़ी के 900 फीट ऊंचाई पर बड़े तुरी स्थिति जहां से एक पतली जलधारा निरंतर बह रही है। यहां पर पक्का टेक बनाकर पानी को उपयोग में लिया जाता है। रामगढ़ पहाड़ी और सीताबेंगरा के

नीचे एक हाथी पोल सुरंग है जिसे ऋक्ष बिल के नाम से भी जाना जाता है ऐसी मान्यता है कि भगवान श्रीराम रामगढ़ से लक्ष्मणगढ़ की ओर इसी ऋक्ष बिल से गुजरकर पहुंचे थे।

अद्वितीय स्थल,सांस्कृतिक विरासत और जनआस्था का संगम

रामगढ़ महोत्सव न केवल एक सांस्कृतिक आयोजन है, बल्कि यह क्षेत्र की धार्मिक, ऐतिहासिक और जनआस्थाओं से जुड़ी विरासत को जीवंत बनाए रखने का माध्यम भी है। यह महोत्सव युवाओं, शोधार्थियों, साहित्यकारों, कलाकारों और आम जनता के लिए एक अद्भुत अवसर है कि वे रामगढ़ की गरिमा और गौरव को आत्मसात कर सकें।

रामगढ़ महोत्सव वर्ष 1972-73 से हुई शुरुआत

जिला प्रशासन द्वारा वर्ष 1972-73 से आषाढ़ माह के प्रथम दिवस पर प्रारंभ किए गए रामगढ़ महोत्सव का आयोजन इस वर्ष 11 व 12 जून 2025 को किया जा रहा है। दो दिवसीय महोत्सव में राष्ट्रीय

शोध संगोष्ठी, शास्त्रीय नृत्य, कवि सम्मेलन, विद्यालयीन व महाविद्यालयीन प्रस्तुतियां, तथा संजय सुरीला सहित बाढ़ कलाकारों की रंगारंग प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

महोत्सव में मुख्य अतिथि सरगुजा सांसद श्री चिन्तामणि महाराज शामिल होंगे, कार्यक्रम की अध्यक्षता अम्बिकापुर विधायक श्री राजेश अग्रवाल करेंगे। विशिष्ट अतिथि लुण्डा विधायक श्री प्रबोध मिंज, सीतापुर विधायक श्री रामकुमार टोप्पो, गृह निर्माण मंडल अध्यक्ष श्री अनुराग सिंह देव, राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्वविजय सिंह तोमर, सरगुजा जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरुपा सिंह, अम्बिकापुर नगर निगम महापौर श्रीमती मंजूषा भगत, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री देवनारायण यादव, नगरपालिका अध्यक्ष श्री हरमिंदर सिंह टिन्नी, उदयपुर जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश सिंह, उपाध्यक्ष श्री सिद्धार्थ कुमार सिंह देव, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती रैमुनिया करियाम, श्रीमती राधा रवि, रामनगर सरपंच श्री प्रदीप सिंह, पुटा सरपंच श्री नंदा राम मरकाम शामिल होंगे।

थाना/चौकी मे जनरल परेड का हुआ आयोजन

» वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा के निर्देशन मे जिले के समस्त थाना चौकी मे जनरल परेड का हुआ आयोजन...

» थाना प्रभारियों द्वारा अपने अधीनस्थ अधिकारियों/कर्मचारियों के र्न आउट का निरीक्षण कर दिए गए आवश्यक निर्देश...

» प्रति मंगलवार एवं शुक्रवार को जिले के थाना चौकियों मे जनरल परेड का हो रहा आयोजन...

- संवाददाता -
 अम्बिकापुर, 10 जून 2025 (घटती-घटना)।
 वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्री राजेश कुमार अग्रवाल (भा.पु.से.) के दिशा निर्देशन मे प्रति



मंगलवार एवं शुक्रवार थाना/चौकियों मे जनरल परेड का आयोजन कर पुलिस बल को अनुशासित रखने एवं पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों के कार्यक्षमता को बढ़ाये जाने के दिशा निर्देश दिए गए है, इसी क्रम मे थाना कमलेश्वरपुर, चौकी केदमा, चौकी केरजू मे आज जनरल परेड का आयोजन किया गया। थाना/चौकी प्रभारियों द्वारा



गया, पुलिस बल को ड्यूटी एवं परेड के दौरान साफ सुथरी वर्दी पहनने के दिशा निर्देश दिए गए, साथ ही थाना प्रभारियों द्वारा थाना परिसर मे ही पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों की टोली बनाकर परेड कराया गया, अधिकारियों/कर्मचारियों को थाना परिसर



की साफ सफाई पर ध्यान देने के दिशा निर्देश दिए गए, तत्पश्चात थाना प्रभारियों द्वारा अपने अधीनस्थ



अधिकारियों/कर्मचारियों के कर्तव्यों की समीक्षा की गई एवं पुलिस टीम को आमजनता के हित मे तत्काल अपनी सेवाएं देने के दिशा निर्देश दिए गए। जनरल परेड के दौरान थाना प्रभारी कमलेश्वरपुर उप निरीक्षक नवल किशोर दुबे, केदमा चौकी प्रभारी उप निरीक्षक सेतराम गहिर, केरजू चौकी प्रभारी सहायक उप निरीक्षक राजेश्वर महंत, एवं थाना/चौकी मे पदस्थ अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय के निरीक्षण के दौरान सांसद व जनप्रतिनिधियों ने दी आवश्यक दिशा-निर्देश



- संवाददाता -
 अम्बिकापुर, 10 जून 2025 (घटती-घटना)।
 आज सरगुजा सांसद चिन्तामणि महाराज, भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया, नगर पालिक निगम अम्बिकापुर की महापौर श्रीमती मंजूषा भगत एवं जिला पंचायत सदस्य श्रीमती दिव्या सिंह सिसोदिया ने संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय के नवीन परिसर, भकुड़ा का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान विश्वविद्यालय परिसर में स्थित संत गहिरा गुरु जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सभी अतिथियों ने श्रद्धा सुमन अर्पित



किए। तत्पश्चात ऑडिटोरियम, यूटिलिटी भवन, प्रशासनिक भवन, यूटीडी बिल्डिंग,कुलपति व कुलसचिव निवास तथा कर्मचारी आवासों का जायजा लिया गया। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को मौके पर बुलाकर अधूरे निर्माण कार्यों की जानकारी ली गई। सांसद चिन्तामणि महाराज ने परिसर की साफ-सफाई पर गहरी नाराजगी जताई तथा क्षतिग्रस्त सड़क एवं व्यवस्था को अविलंब सुधार कराने का आश्वासन भी दिया। परिसर में पौधारोपण पर जिला पंचायत सदस्य श्रीमती दिव्या सिंह सिसोदिया ने कहा कि प्रकृति हमारी माँ के समान है, और एक पौधा भी जब माँ के नाम पर लगाया जाता है, तो वह भावनात्मक रूप से हमें प्रकृति से जोड़ता है। विश्वविद्यालय परिसर में किया गया यह पौधारोपण न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक कदम है,बल्कि यह एक भावनात्मक समर्पण भी है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति पी. सिंह, कुलसचिव शारदा त्रिपाठी, मंडल अध्यक्ष मनोज कसारी, मार्केटिंग निवारी सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

पुरानी रंजिश पर युवक को अगवाकर की मारपीट

- संवाददाता -
 अम्बिकापुर, 10 जून 2025 (घटती-घटना)।
 धौपुर थाना क्षेत्र के ग्राम कुन्दीकला में शادی समारोह के दौरान हुए विवाद से आक्रोशित लोगों ने मामा के घर आए ग्रामीण के साथ घर के घुसकर मारपीट की घटना को अंजाम दिया। यहाँ नहीं आरोपी उसे बलपूर्वक मोटरसायकल में बैठकर ले गए, इसकी सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे जीजा ने आरोपियों के चंगुल से उसे छुड़ाया और घर लेकर आए। रिपोर्ट पर पुलिस ने चार नामजद आरोपियों सहित अन्य के विरुद्ध केस दर्ज कर लिया है।
 खेती किसानी और ट्रैक्टर चलाने वाले कुन्दीकला निवासी सुरेंद्र टेकाम ने पुलिस को बताया है कि बीते 3 जून को कुन्दीकला कोरवापारा में



शادی था, जहाँ ग्राम डकई का जामा पावले भी आया था, जिसके साथ उसका विवाद हुआ था। इस दौरान वह उसे देख लेने की धमकी देकर गया था। 9 जून को दोपहर करीब एक बजे वह अपने मामा श्यामलाल सिंह के घर ग्राम झखुरी आया था और दोपहर के समय घर के अंदर कमरा में सो रहा था। इसी दौरान अचानक सुरेश पावले, बुधा पावले, जामा पावले, शिकारी पावले व अन्य एक व्यक्ति कमरे में आकर गाली देते

हुए मारपीट करते हुए उसे आंगन में निकाले। घर में उपस्थित महिला सदस्यों ने जब विरोध किया तो पांचों उसे एक मोटरसायकल में बैठकर ग्राम डकई ले गए। यहां जान से मारने की धमकी देकर सुरेश पावले डंडा से और बाकी लोग हाथ-मुक्का से मारपीट करने लगे। इसकी जानकारी मिलने पर उसके जीजा अरविंद ग्राम डकई आए और उसे छुड़ाकर घर ले गए। घटना की जानकारी वह अपने परिवार के सदस्यों को दिया और स्वजन व कोटवार के साथ थाना आकर रिपोर्ट दर्ज करवाया। रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध बीएनएस की धारा 115(2), 140(3), 191(1), 191(2), 191(3), 296, 333, 351(3) का मामला दर्ज कर लिया है।

सरस्वती महाविद्यालय में 'छंदों की अभिव्यक्ति' पर कार्यशाला के साथ-साथ काव्य सम्मेलन एवं पुस्तक का विमोचन किया गया

- संवाददाता -
 अम्बिकापुर, 10 जून 2025 (घटती-घटना)।

मानव कल्याण एवं सामाजिक विकास संगठन द्वारा आज सरस्वती महाविद्यालय , सुभाषनगर,बनारस रोड, अम्बिकापुर में 10:00 बजे से छंद की सार्थकता विषय पर कार्यशाला एवं प्रदेशाध्यक्ष आशा उमेश पाण्डेय अविरल द्वारा संपादित पुस्तक आखर दोहावली एवं संगठन की संरक्षिका पूनम दुबे वीणा की वीणा की दोहावली के विमोचन के साथ उक्त कार्यक्रम की शुरुआत हुई मुख्य अतिथि श्री विनोद हर्ष एवं विशिष्ट अतिथि संतोष दास सरल जी,कार्यक्रम के अध्यक्ष आदरणीय सुरेश जायसवाल जी के साथ अन्य अतिथियों के द्वारा मां सरस्वती को माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित किया गया।वरिष्ठ साहित्यकार एवं लोक गायक श्री रंजीत सारथी के द्वारा मां



सरस्वती की वंदना की गयी एवं महाविद्यालय परिवार द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। संबोधन के क्रम में आए हुए समस्त अतिथिगण के द्वारा छत्र/छत्राओं को छन्द की सार्थकता विषय पर एवं उसके महता पर जानकारी प्रदान की गयी. महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य ऋषि सिंह ने कहीं की उक्त कार्यक्रम के

जरिए बहुत अच्छे जानकारी छंदों के बारे में छत्र/छत्राओं को दिया गया जो बहुत ही उपयोगी है एवं कार्यक्रम में अतिथियों में सुरेश जायसवाल जी, विनोद हर्ष जी, संतोष दास सरल जी, रंजीत सारथी जी,आनंद सिंह यादव जी ने अपनी अपनी जानकारी दी। अतिथि मंच संचालन महाविद्यालय के प्राध्यापक श्री कृष्ण

पांडेय जी,आशा पांडेय जी, पूनम दुबे जी, माधुरी जायसवाल जी,अर्चना पाठक जी,आ.प्रकाश कश्यप जी तथा गणमान्य साहित्यकार जनों के द्वारा शानदार काव्य प्रस्तुति दी गई. कार्यक्रम में आभार व्यक्त करते हुए संस्थापक अध्यक्ष डॉक्टर उमेश कुमार पाण्डेय जी ने कहाँ समस्त अतिथियों,अध्यापकों एवं छात्र/छात्रों के बीच एक अच्छे माहौल में कार्यक्रम का संपन्न होना कार्यक्रम की सफलता की पहचान है एवं महाविद्यालय के प्राचार्य का साल,श्रीफल भेटकर स्वागत किया गया एवं सुरेश जायसवाल जी संगठन के संरक्षक घोषित किये गये। संस्थापक अध्यक्ष ने कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों,प्राध्यापकों और समस्त छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए आभार व्यक्त किया है।

सरगुजा सांसद चिन्तामणी महाराज की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति की बैठक संपन्न

» जिले के विकास कार्यों की हुई समीक्षा
» शासकीय योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने आपसी सामंजस्य से करें कार्य
» पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का मिले लाभ-सरगुजा सांसद श्री चिन्तामणी महाराज

- संवाददाता -
 अम्बिकापुर, 10 जून 2025 (घटती-घटना)।
 सरगुजा सांसद श्री चिन्तामणी महाराज की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति यानी दिशा समिति की बैठक जिला पंचायत सभाकक्ष में संपन्न हुई। इस दौरान लुण्डा विधायक श्री प्रबोध मिंज, सीतापुर विधायक श्री रामकुमार टोप्पो, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरुपा सिंह, नगर निगम अम्बिकापुर महापौर श्रीमती मंजूषा भगत, कलेक्टर श्री विलास भोसकर, जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार



अग्रवाल सहित जनप्रतिनिधि, जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। सांसद श्री चिन्तामणी महाराज ने बैठक में उपस्थित अधिकारियों को कहा कि आमजनों तक शासकीय योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने आपसी सामंजस्य के साथ कार्य करें। विभागीय अधिकारी लोकहित को ध्यान रख अपने दायित्वों को गम्भीरता से निर्वहन करें। पात्र हितग्राहियों का शासकीय योजनाओं का लाभ मिले, योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे यही शासन की मंशा है। बैठक में एजेंडा वार चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों



को अधिक से अधिक लाभ दिलाएं। योजनांतर्गत निर्माणधीन आवासों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से जल्द पूर्ण कराएं। जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण की जानकारी प्रस्तुत करते हुए बताया कि आवास योजना ग्रामीण के तहत 2016-23 तक 65905 आवास का लक्ष्य था, जिसमें से 61349 आवास पूर्ण कर लिए गए हैं, शेष आवास भी जल्द पूर्ण कर लिए जाएंगे। वर्ष 2024-25 में 36888 आवास का लक्ष्य प्राप्त हुआ है,जिसमें से 31425 स्वीकृत आवास में से 6869 आवास पूर्ण कर लिए गए हैं। वहीं वर्ष

2025-26 में 4807 आवास का लक्ष्य प्राप्त हुआ है, जिसमें से 3949 पंजीयन कर लिया गया है। शेष पंजीयन 30 जून 2025 तक करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने मनरेगा के तहत पंजीकृत कुल 7000 लाभार्थियों की जानकारी ली तथा कहा कि जाँच कार्ड प्राप्त श्रमिकों का श्रम विभाग के अंतर्गत पंजीयन भी सुनिश्चित करें जिससे श्रमिकों के लिए निश्चित योजनाओं का लाभ मिले। उन्होंने मनरेगा एवं श्रम विभाग द्वारा आपसी समन्वय के साथ प्राथमिकता के साथ अभियान के तौर पर यह कार्य सुनिश्चित करने निर्देशित किया। स्वच्छ भारत मिशन के तहत ठोस

एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, सामुदायिक एवं व्यक्तिगत पारिवारिक शौचालय निर्माण की प्रगति की जानकारी ली गई। उन्होंने कहा कि शौचालयों में स्वच्छता एवं पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करें और लोगों में उपलब्धता सुनिश्चित करें। उपसंचालक कुषि ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, परम्परागत कृषि विकास योजना, फसल प्रदर्शन और बीज की मांग एवं उपलब्धता की जानकारी दी, जिस पर सांसद ने समय पर किसानों को खाद एवं बीज उपलब्ध कराने कृषि अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने

सांसद श्री चिन्तामणी द्वारा बैठक में स्वास्थ्य सुविधाओं की समीक्षा करते हुए आयुष्मान कार्ड पंजीयन,स्वास्थ्य सम्बन्धी विभिन्न कार्यक्रमों के प्रगति की जानकारी ली गई। उन्होंने कहा कि बारिश के मौसम को ध्यान में रखते हुए दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करें। उपसंचालक कुषि ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, परम्परागत कृषि विकास योजना, फसल प्रदर्शन और बीज की मांग एवं उपलब्धता की जानकारी दी, जिस पर सांसद ने समय पर किसानों को खाद एवं बीज उपलब्ध कराने कृषि अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

घटती घटना

कोरिया-सूरजपुर-समाचार

अम्बिकापुर, बुधवार 11 जून 2025

5

झोलाछाप डॉक्टरों पर स्वास्थ्य विभाग की बड़ी कार्रवाई

बैकुंठपुर एवं सोनहत ब्लॉक में दो अवैध क्लीनिक सील...एक पर कारण बताओ नोटिस जारी...



-संवाददाता-
कोरिया, 10 जून 2025 (घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ राज्य नर्सिंग होम एक्ट 2013 के तहत अवैध रूप से चिकित्सा कर रहे झोलाछाप चिकित्सकों के विरुद्ध जिला प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की गई है। यह कार्रवाई कलेक्टर श्रीमती चंदन

त्रिपाठी, संभागीय संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. अनिल शुक्ला (अम्बिकापुर, सरगुजा) के निर्देश पर एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह के मार्गदर्शन में 9 व 10 जून 2025 को की गई। आज बैकुंठपुर ब्लॉक के चरचा कॉलरी क्षेत्र में जिला स्तरीय जांच दल

द्वारा दो क्लीनिकों की जांच की गई। उड़िया दफाई, राम मंदिर के पास श्री सुधीर कुमार मिश्रा द्वारा संचालित क्लीनिक में बिना किसी वैध डिग्री के चिकित्सकीय गतिविधियाँ संचालित की जा रही थीं। मौके पर नीडल, दवाइयाँ और इंजेक्शन आदि सामग्री पाई गई, परंतु किसी भी तरह का वैध पंजीयन या

डिग्री उपलब्ध नहीं कराई गई। इस आधार पर श्री मिश्रा का क्लीनिक तत्काल सील कर दिया गया। इसी प्रकार टीना दफाई में 'डॉ. आर. खान' के नाम से संचालित क्लीनिक की भी जांच की गई। मौके पर आईवी स्टैंड, बेड और चिकित्सा उपकरण पाए गए, परन्तु कोई मान्य डिग्री प्रस्तुत नहीं की गई। नर्सिंग

होम एक्ट 2013 के प्रावधानों के तहत इस कक्ष को भी सील करने की कार्रवाई की गई। इससे पूर्व, 9 जून को सोनहत ब्लॉक के तेलीमुड़ा ग्राम में मेहनेद पटेल नामक व्यक्ति द्वारा अवैध रूप से इलाज किए जाने की जानकारी पर जांच की गई थी। मौके पर चिकित्सकीय उपकरण मिलने के बावजूद कोई पंजीयन

प्रमाणपत्र प्रस्तुत नहीं किया गया। फलस्वरूप उनके विरुद्ध कारण बताओ नोटिस जारी करने की अनुशंसा की गई है। स्वास्थ्य विभाग ने आम जनता से अपील की है कि वे केवल पंजीकृत एवं योग्य चिकित्सकों से ही उपचार कराएं। किसी भी अवैध रूप से चिकित्सा कर रहे व्यक्ति की जानकारी मिलने पर तत्काल

संबंधित स्वास्थ्य केंद्र या सीएमएचओ कार्यालय को सूचित करें। जांच दल में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह, जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री अमरेश अंसारी, औषधि निरीक्षक श्री आलोक मिश्र, प्रभारी डिप्टी एमआईओ श्रीमती सरोजनी राय सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।



9 माह के पुत्र की हत्या व पत्नी पर प्राणघातक हमला करने वाले आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
सूरजपुर, 10 जून 2025 (घटती-घटना)।
विगत सोमवार को ग्राम चंदरपुर भटगांव निवासी राजसाय बखला ने थाना भटगांव में रिपोर्ट दर्ज करवाया कि दिनांक 09.06.2025 की सुबह 5 बजे इसका भतीजा शिवराम टोपो अपनी पत्नी एवं 9 माह के पुत्र को टांगी से प्रहार कर पत्नी के चेहरे में दोनों तरफ तथा पुत्र को गंभीर चोट पहुंचाया था जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय सूरजपुर लाया गया जहां 9 माह के बालक की मृत्यु हो गई। सूचना पर पुलिस ने मार्ग कायमी उपरान्त धारा 103(1), 109(1) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी को जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। थाना भटगांव पुलिस ने मामले की विवेचना करते हुए दबिश देकर आरोपी शिवराम टोपो पिता स्व. चलिंतर टोपो उम्र 21 वर्ष ग्राम चंदरपुर थाना भटगांव को पकड़ा। पृष्ठछात्र पर उसने टांगी से प्रहार कर 9 माह के बालक की हत्या करना एवं पत्नी को प्राणघातक चोट पहुंचाना स्वीकार किया जिसके निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त टांगी जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। कार्यवाही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व डीएसपी रितेश चौधरी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी भटगांव सरफराज फिदाईसी व उनकी टीम सक्रिय रही।

राष्ट्रीय बाल पुरस्कार हेतु आवेदन आमंत्रित

-संवाददाता-
बलरामपुर, 10 जून 2025 (घटती-घटना)।
जिला कार्यक्रम महिला एवं बाल विकास अधिकारी ने जानकारी दी है कि जिले में ऐसे समस्त बालक/बालिका, जिनकी उम्र 05 से 18 वर्ष तक है, जिन्होंने विज्ञान, खेल, कला, संस्कृति, सामाजिक सेवा, साहसिक कार्य, गायन या अन्य क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया है, उन्हें भारत शासन महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा पुरस्कार प्रदान किया जाना है। पुरस्कार हेतु 31 जुलाई 2025 तक ऑनलाइन माध्यम वेबसाइट अवार्ड्स डॉट जीओव्ही डॉट इन पर आवेदन कर सकते हैं। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए जिला बाल संरक्षण अधिकारी मोबाइल नम्बर 98262-78915 पर संपर्क किया जा सकता है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड-बलरामपुर (छ.ग.)

निविदा क्र. 04/ले.शा./ज.जी.मि./का.अ./लो.स्वा.या.वि./2025	बलरामपुर, दिनांक-05.06.2025
ऑन लाईन निविदा आमंत्रण	
छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से जल जीवन मिशन नल जल प्रदाय योजना के विभिन्न कार्यों के लिए प्रतिशत दर फार्म "अ" में निम्नानुसार निविदा आमंत्रित की जाती है:-	
सि.नि.क्र.	कार्य की अनुमानित लागत (रु.लाख में)
169656	43.84
169685	47.95
169687	49.32
169689	50.69
169690	36.99
169691	303.80

निविदा एवं कार्य का विस्तृत विवरण यथा धरोहर राशि, बिड वैधता की तिथि, कार्य की अवधि, निविदाकारक श्रेणी, एवं कार्यो तथा स्थल संबंधी जानकारी ऑन लाईन ई-प्रोक्योरमेंट <https://eproc.cgstate.gov.in> पर दिनांक 10.06.2025 से देखी जा सकती है तथा निविदा दिनांक 02.07.2025 तक बिड डाली जा सकती है। निविदा में आगामी संशोधन पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किए जावेंगे। अतः निविदाकारक ऑन लाईन निविदा प्रक्रिया में सतत संपर्क में रहें। अन्य विवरण कार्यालयीन समय पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड बलरामपुर में देखे जा सकते हैं।

कार्य पालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग खण्ड-बलरामपुर छ.ग.

जी नं०- 252601429/3

समय-सीमा की बैठक संपन्न

15 से 30 जून तक धरती आबा अभियान अंतर्गत लगाये जायेंगे शिविर हर पात्र हितग्राही को मिले शासन की योजनाओं का लाभ-जिला पंचायत सीईओ



-संवाददाता-
बलरामपुर, 10 जून 2025 (घटती-घटना)।
जिला पंचायत सीईओ श्रीमती तोमर ने जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों की समीक्षा करते हुए कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए सभी विभागीय अधिकारी समय-सीमा की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में विभागीय योजनाओं की समीक्षा, स्वास्थ्य, राजस्व प्रकरण, अतिक्रमण, जन शिकायत एवं जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों की गहन समीक्षा की गई। सीईओ श्रीमती तोमर ने राजस्व प्रकरणों की समीक्षा करते हुए लोक सेवा गारंटी, लंबित राजस्व प्रकरणों और पीजी पोर्टल, जन शिकायत की गहन समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सभी लंबित प्रकरणों का निधारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। लंबित नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन के अद्यतन कार्य का समीक्षा करते हुए प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने निर्देश दिए।

जिला पंचायत सीईओ श्रीमती तोमर ने जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों की समीक्षा करते हुए कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए सभी विभागीय अधिकारी समय-सीमा की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में विभागीय योजनाओं की समीक्षा, स्वास्थ्य, राजस्व प्रकरण, अतिक्रमण, जन शिकायत एवं जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों की गहन समीक्षा की गई। सीईओ श्रीमती तोमर ने राजस्व प्रकरणों की समीक्षा करते हुए लोक सेवा गारंटी, लंबित राजस्व प्रकरणों और पीजी पोर्टल, जन शिकायत की गहन समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सभी लंबित प्रकरणों का निधारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। लंबित नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन के अद्यतन कार्य का समीक्षा करते हुए प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने निर्देश दिए।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, (E&M) DIVISION PUBLIC HEALTH ENGG. DEPTT. AMBIKAPUR (C.G.)

System tender No.	Brief Description of Materials	Qty.
169776/NTTNo.02 date 05/06-2025	Supply, erection with necessary fabrication work, testing, commissioning and Trial run of New (675-715) CFM/ (175-210) PSI Screw Compressor with suitable diesel engine in place of Old 475 CFM/150 PSI Elgi Screw compressor coupled with TC (TATA Cummins) Engine mounted on Existing TM No. 04 Rig Machine, as per detailed specification given in the tender. Rates quoted shall be including all taxes F.O.R. PHED (E&M) Ambikapur Store.	One Complete Unit with Job Work

Note:- 1. Cost of Tender From - 750-00
2. Estimated Cost (In Rs.) :- 3260000-00
3. Earnest Money (In Rs.) :- 96000-00 (Online)
4. Bid Submission Date :- 09/06/2025 to 25/06/2025
5. The tender document can be downloaded from the web portal <http://eroc.cgstate.gov.in> and terms and condition. tender and details of material can be seen in the department division office in during office hours.
6. Conditional tender will not be accepted.

Executive Engineer (E&M) PHED Division Ambikapur (C.G.)

R.O. No- 252601478/1

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग कार्यालय कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग

क्र. 1, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ.ग.0)
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

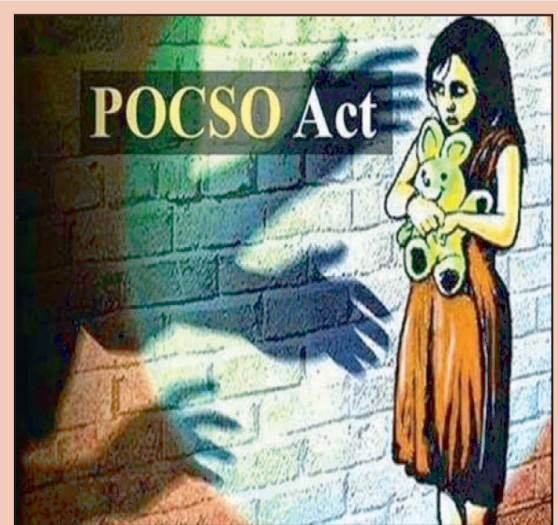
निविदा सूचना क्रमांक- 01/व.ले.लि./2025-26 दिनांक 06.06.2025 निम्नलिखित कार्यों के लिये दिनांक 27.06.2025 (17:30 बजे) तक ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है।

गुप क्र.	सिस्टम क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमाति लागत
1	169598	लब्धी जलाशय योजना के जीर्णोद्धार एवं गहरीकरण तथा पक्के चैनल का निर्माण कार्य।	रु. 48.63 लाख।
2	169602	सखौली गागर नदी में एनीकट सह पुलिया निर्माण।	रु. 466.94 लाख।

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट <https://eproc.cgstate.gov.in> पर दिनांक 13.06.2025 समय 17:31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते हैं। नोट:- निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट <https://eproc.cgstate.gov.in> पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यालय अभियंता जल संसाधन संभाग क्र.1, अम्बिकापुर (छ.ग.)
कृते-मुख्य अभियंता हस्देव गंगा कछार जल संसाधन विभाग अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)

जी नं०- 252601454/4



पॉक्सो एक्ट के तहत सहायक व्यक्तियों का किया जाएगा इम्पैनलमेंट आवेदन की अंतिम तिथि 30 जून

-संवाददाता-
बलरामपुर, 10 जून 2025 (घटती-घटना)।
जिला कार्यक्रम अधिकारी ने जानकारी दी है कि यौन उत्पीड़न के शिकार बच्चों को उनके मददगार बनकर बयान दर्ज करवाने से लेकर पैरवी में मदद करने, परामर्श उपलब्ध करवाने एवं सरकारी योजनाओं के तहत सहायता दिलवाने में मदद के लिए लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 (पॉक्सो एक्ट, 2012) की धारा 39 के प्रावधानों के तहत जिले में सहायक व्यक्तियों का इम्पैनलमेंट किया जाना है। सहायक व्यक्ति के रूप में कार्य करने के लिए सामाजिक कार्य/समाज शास्त्र/मनोविज्ञान या बाल विकास में स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त अथवा बाल शिक्षा और विकास या सुरक्षा मुद्दों में न्यूनतम 3 वर्ष का अनुभव के साथ स्नातक, अनिवार्य शैक्षणिक योग्यता तथा अनुभव रखने वाले कोई भी अशासकीय व्यक्ति अथवा बाल अधिकारी या बाल संरक्षण के क्षेत्र में सक्रिय संगठन अथवा बच्चों के संरक्षण के लिए जिम्मेदार बालगृह या आश्रयगृह से जुड़ा कोई भी अधिकारी सहायक व्यक्ति के रूप में आवेदन करने के लिए पात्र होगा। व्यक्ति/संगठन को किशोर न्याय अधिनियम, 2015 यथा संशोधित 2016 के तहत मानदेय दिया जायेगा। इच्छुक व्यक्ति/संगठन अपना आवेदन जिला कार्यक्रम अधिकारी/जिला बाल संरक्षण अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यालय से निर्धारित प्रपत्र प्राप्त कर स्वयं अथवा पंजीकृत डाक/कोरियर/स्पीड पोस्ट से 30 जून 2025 तक प्रेषित कर सकते हैं। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए जिला बाल संरक्षण अधिकारी मोबाइल नम्बर 98262-78915 पर संपर्क किया जा सकता है।

अमानक खाद बीज उत्पादों पर प्रतिबंध को लेकर प्रशासन सतर्क...

-संवाददाता-
बलरामपुर, 10 जून 2025 (घटती-घटना)।
कलेक्टर राजेंद्र कटारा के निर्देशन एवं उप संचालक कृषि श्री रामचन्द्र भगत के मार्गदर्शन में कृषि विभाग द्वारा संयुक्त टीम तैयार कर अमानक खाद बीज पर कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में जिला मुख्यालय अंतर्गत नगर पालिका क्षेत्र बलरामपुर के मुख्य बाजार में निजी खाद-बीज एवं कीटनाशक विक्रेताओं के दुकानों का निरीक्षण किया गया। जिसमें दुकानदारों को बीज, उर्वरक एवं कीटनाशक अधिनियम के तहत आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए दुकानों के सामने लाइसेंस एवं मूल्य सूची चस्पा करके को कहा गया। निरीक्षण के दौरान सहायक संचालक कृषि श्री एन.एस.भगत एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री एस.आर.बेद द्वार दुकानों के पंजी एवं बिल कुक का अवलोकन कर सतत रूप से संस्मरण करने हेतु निर्देशित किया गया। जिन दुकानों में कमियां पाई गईं उन्हें नोटिस भी दिया गया। साथ ही विदेशी कृषि सेवा केंद्र बलरामपुर का उर्वरक गोदाम में उर्वरकों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सभी दुकानदारों को बताया गया कि नकली खाद-बीज एवं कीटनाशकों के विक्रय करते हुए पाए जाने पर कठोर कार्यवाही की जाएगी।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202505020700073

विषय:-ब-121 मामले की श्रेणी:-राजस्व सन्-2024-25
सुखरी प.ह.नं. 00029 हे0, पक्षकारों का विवरण:- आवेदक पक्षकार- सौरभ कुमार सिन्हा, अनावेदक पक्षकार- छठगो शासन,

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202506020700048

विषय:-अ-6 मामले की श्रेणी:-राजस्व सन्-2024-25
राजस्व सन्-2024-25
विशुनपुर प.ह.नं. 00019 [38/4 (0.4260 हे0)], पक्षकारों का विवरण:- आवेदक पक्षकार- पुनर्द टोपो, अनावेदक पक्षकार- सुबो बाई,

ईशतहार

आवेदक पुनर्द टोपो पिता- सुशील टोपो निवासी ग्राम खिरटी पो0 मोरगा तहसील पोड़ी उपरोड़ा जिला कोरबा छठगो के द्वारा ग्राम विशुनपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 38/4 रकबा 0.426 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों पंजीबद्ध विवरण पत्र के माध्यम से नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 16/06/2025 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईशतहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 02/06/2025 को जारी किया जाता है।

सील तहसीलदार तहसील-अम्बिकापुर

आवेदक सौरभ कुमार सिन्हा आ0 अखिलेश कुमार सिन्हा निवासी जिला स्कूल चौक, डाल्टेनांग, तहसील डाल्टेनांग, जिला-पलामू (झारखंड) के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर बताया गया है कि ग्राम सुखरी स्थित खसरा नंबर 340/1 में से रकबा 0.220 हे0 भूमि को आवेदक के द्वारा पंजीबद्ध विवरण पत्र के माध्यम से क्रय किया गया है, जिसका नामांतरण आवेदक के पक्ष में हो गया है। किन्तु वर्तमान राजस्व अभिलेखों ऑनलाइन बी-1 में आवेदक का नाम दर्ज नहीं है। आवेदक के द्वारा राजस्व अभिलेखों में अपना नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी महोदय अम्बिकापुर के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है, जो जांच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 20/06/2025 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईशतहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 27/5/2025 को जारी किया जाता है।

सील तहसीलदार तहसील-अम्बिकापुर

डॉक्टर ने एक प्रतिष्ठित अखबार का पाठक बनने से किया इंकार तो उस अखबार के पत्रकार ने उन्हें धमकाया

क्या अब पत्रकार धमकाकर लोगों को अखबार पढ़ने करेंगे मजबूर ?

अपराध दर्ज होने के बाद भी गिरफ्तारी में पुलिस की रुचि नहीं ?

कोरिया जिले के काफी बड़े व प्रतिष्ठित पत्रकारों में आती है गिनती और उनकी कृत्य का हो रहा है विरोध

समझौता कराने के लिए घंटे भर बैठ रहे हैं सीएमएचओ के पास और दबाव बना रहे हैं डॉक्टर पर

मामला आदिवासी अत्याचार से जुड़ा हुआ, डॉक्टर ने अज्ञात थाने में दर्ज कराई है प्राथमिकी

एक पत्रकार के खबर प्रकाशन मात्र को आधार बनाकर कोरिया पुलिस ने उस पत्रकार को आतंकवादी समझकर पकड़ने की पूरी प्रकाश पार की थी पर वहीं वर्तमान मामले में एक पत्रकार पर

कोरिया, 10 जून 2025 (घटती-घटना)।

खबर प्रकाशन के बाद अक्सर पत्रकारों पर आरोप लगते हैं क्योंकि खबर से शुरु होकर झूठा आरोप लगाया जाता है, ऐसे मामले अक्सर देखने को मिलते हैं पर इस बार कोरिया जिले में जो मामला सामने आया है वह बहुत ही अजीबोगरीब है, कोरिया जिले के एक प्रतिष्ठित अखबार के सबसे बड़े पत्रकार कहे जा सकते हैं महेन्द्र प्रकाश तो शायद गलत नहीं होगा, इनके ऊपर आरोप जो लगा है वह काफी रोमांचक है, रोमांचक इसलिए है क्योंकि इन्होंने एक डॉक्टर पर जबरदस्ती अपने अखबार का पाठक बनने का दबाव डाला जा रहा था और उनके अखबार के पाठक बनने से जब एक डॉक्टर ने इनकार कर दिया तो उसके साथ उक्त पत्रकार ने जातिगत गाली गलौज के साथ धमकी भी दी, इसके बाद पत्रकार पर अपराध दर्ज हो गया पर उसकी गिरफ्तारी नहीं होगी, क्योंकि दोनों पार्टियों के नेताओं से पत्रकार के मधुर संबंध हैं और मधुर संबंध की वजह से पुलिस पर दबाव है कि उस पत्रकार की गिरफ्तारी नहीं होनी चाहिए, जबकि उसके कृत्यों पर ध्यान दिया जाए तो काफी निम्न स्तर का कृत्य है। यह एक इकलौता ऐसा पत्रकार है जो अपने आप को सुपर पत्रकार से कम नहीं समझते हैं, इन्हें लगता है कि इनके ऊपर कभी भी कोई उगली नहीं उठेगी, दादागिरी के साथ विज्ञापन की भी वसूली होती है और जबरदस्ती विज्ञापन लगाया भी जाता है और जबरदस्ती डा



धमका कर विज्ञापन का पैसा वसूला भी जाता है, ऐसा कई नेताओं का आरोप है जिन्होंने नाम ना बताने की शर्त पर यह बात बताई है, खेर यह तो अलग बात है पर इस बार जिस डॉक्टर ने उन पर आरोप लगाया है उस आरोप पर अपराध दर्ज हो चुका है कई गंभीर धाराएं उसमें दर्ज हैं अब पत्रकार उस मामले का पटवर्ष करने के लिए लगातार उस डॉक्टर की खबर प्रकाशित कर रहे हैं शिकायत कर रहे हैं सीएमएचओ के साथ घंटे बैठकर दबाव बनाने का प्रयास कर रहे हैं सवाल यह उठता है कि जब उस डॉक्टर में इतनी ही कमियां थी तो उन्होंने फिर पहले इन कमियों का प्रकाशन क्यों नहीं किया? अब जब उनके ऊपर अपराध दर्ज हो गया है सोरे सबूत उनके खिलाफ हैं तब वह अब छटपटाहट में नेताओं के पास जाकर उनकी गिरफ्तारी न हो इसके लिए गड़बड़ रहे हैं जिसके ऊपर गंभीर अपराध है वह पूरे शहर में घूम रहा है नेताओं के साथ फोटो खिंचवा रहा है यहां तक की कलेक्टर के साथ भी फोटो खिंचवा रहा है, अब क्या ऐसे में प्रशासन की किरकिरी नहीं हो रही है? पर वहीं पिछली सरकार में एक पत्रकार के खबर को आधार बनाकर पुलिस तिलमिला गई थी उसे पकड़ने के लिए पूरा आगा खो बैठी थी ऐसा लग रहा था की पुलिस की कमियां प्रकाशित करके पत्रकार ने बहुत बड़ा गुनाह कर लिया है या फिर किसी आतंकवादी के साथ उसका संबंध है पुलिस ने पत्रकार को अपना जवाब देने का भी समय नहीं दिया था, गिरफ्तारी के लिए पूरी प्रकाश पार कर दी थी पर आज उन्हीं गंभीर धाराओं पर एक पत्रकार की गिरफ्तारी न होना कहीं ना कहीं यह साबित करता है कि किसी भी पत्रकार को निष्पक्ष नहीं होना चाहिए बेईमान होकर ही सभी पार्टी का उपयोग करना चाहिए और प्रशासनिक लॉबी को हमेशा अपने तर्फ रखना चाहिए उसके बाद कुछ

कॉल आने लगे। डॉ. सिंह का आरोप है कि पत्रकार ने उन्हें फोन पर धमकी देते हुए कहा, तेरा जीना हथाम कर दूंगा तेरी नौकरी खा जाऊंगा और जातिसूचक गालियां भी दीं। डॉ. सिंह ने बताया कि यह घटना 11 अप्रैल 2025 की है, जब शाम 4 से 5 बजे के बीच नगर पालिका कॉम्प्लेक्स के पास पत्रकार ने उन्हें रोका और खुलेआम धमकाया। इससे पूर्व भी कई बार उन्होंने इलाज के दौरान सेवा शुल्क नहीं चुकाया और बदले में डॉक्टर को धमकी दी जाती रही। डॉ. सिंह के अनुसार, वह पिछले 3-4 महीनों से मानसिक रूप से प्रताड़ित हैं और उनका परिवार भी तनाव में है। इस मामले में डॉ. सिंह द्वारा की गई शिकायत को गंभीरता से लेते हुए डीएसपी अज्ञात बैकटुपुर ने संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। डॉ. सिंह ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि उचित कार्रवाई नहीं हुई, तो वह आत्महत्या जैसे कदम उठाने को विवश हो सकते हैं, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी आरोपी पत्रकार की होगी। पुलिस ने फिलहाल मामला दर्ज कर लिया है और जांच प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस ने फिलहाल बीएनएस 2023 की धारा 296, 126, 351, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (नृशंसा निवारण) अधिनियम, 1989 (संशोधन 2015) 3(1) (द), अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (नृशंसा निवारण) अधिनियम, 1989 (संशोधन 2015), (1)(घ) तहत मामला दर्ज कर लिया है और जांच प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

केवल समाचार प्रकाशन पर एक पत्रकार को आदिवासी अत्याचार की धाराओं के तहत किया था कोरिया पुलिस ने परेशान... अब जब एक दूसरे पत्रकार पर सीधे हैं आरोप पुलिस है मौन ?

कोरिया जिले में ही एक पत्रकार को कोरिया पुलिस ने केवल समाचार प्रकाशन के आधार पर आदिवासी अत्याचार अधिनियम की धाराओं के तहत दोषी बनाने का प्रयास किया था वहीं उसके खिलाफ गंभीर धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज करते हुए प्राथी भी पुलिस के ही एक कर्मचारी को बनाया गया था, तब कोरिया पुलिस डेरा बिस्तर लेकर निर्दोष पत्रकार को ढूंढती थी उसे महीनों मानसिक प्रताड़ित होने मजबूर किया, अब जब एक दूसरे पत्रकार पर आरोप है आदिवासी अत्याचार का सीधा आरोप है जातिसूचक गालियों का आरोप है लेकिन कोरिया पुलिस मौन है शांत है क्योंकि मामला बड़े पत्रकार का है जो सभी दलों के नेताओं से करीब है, वैसे क्या कोरिया पुलिस आदिवासी अत्याचार अधिनियम की धाराओं के तहत दर्ज गंभीर मामले में जो एक डॉक्टर के अनुसार दर्ज की गई है उसके ऊपर हुए अत्याचार के विरुद्ध जो एक पत्रकार के द्वारा की गई है क्या इसमें कोरिया पुलिस कोई कार्यवाही नहीं करेगी मौन रहेगी, क्या पत्रकार को बचाने का निर्देश प्राप्त है कोरिया पुलिस को, सवाल उठेगा क्योंकि डॉक्टर ने आरोप लगाते हुए खुद को बेहद प्रताड़ित बताया है।

डॉक्टर ने कार्यवाही नहीं होने की दशा में पत्रकार के विरुद्ध आत्महत्या करने की भी बात भी कही है...

कोरिया जिले के एक आदिवासी समुदाय के डॉक्टर ने एक पत्रकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं, आरोप है कि केवल समाचार पत्र नहीं लेने की वजह से पत्रकार उन्हें प्रताड़ित कर रहा है और जबरन निशुल्क चिकित्सा लाभ भी उनसे लेता है वहीं उन्हें बीच बाजार रोककर जातिसूचक गालियां भी देता है, डॉक्टर ने अज्ञात थाने में प्राथमिकी दर्ज करकर कार्यवाही की मांग की है और कार्यवाही नहीं होने की दशा में आत्महत्या की भी बात कही है।

क्या कोरिया पुलिस दिखाएगी तत्परता, क्या प्रतिष्ठित पत्रकार की होगी गिरफ्तारी ?

अब देखना यह है कि कोरिया जिले के जिस प्रतिष्ठित पत्रकार पर अज्ञात थाने में अपराध दर्ज हुआ है क्या कोरिया पुलिस उसे गिरफ्तार करती है, क्या वह उसे दंड देने आगे आती है, कोरिया पुलिस की तत्परता लोग देखना चाहते हैं क्योंकि कई बार निर्दोष पत्रकारों पर कार्यवाही के लिए तत्पर रहने वाली कोरिया पुलिस एक दर्ज प्राथमिकी के संबंध में कोई कार्यवाही नहीं कर रही है आरोपी खुलेआम घूम रहा है जो कोरिया पुलिस को सवालों के घेरे में खड़ी करती है।

डॉक्टर की कार्यवाही नहीं हुई सही नहीं थी तो क्या पत्रकार ने शिकायत से पहले खबर प्रकाशित की ?

यदि डॉक्टर के कार्यवाही नहीं होती तो फिर पत्रकार को उनकी कार्यवाही की खबर प्रकाशित करनी थी, आज जब एफआईआर व शिकायत हो रही है उसके बाद पत्रकार को उस डॉक्टर की कमी समझ में आ रही है, क्या पत्रकार ने यहां पर ईमानदारी के साथ अपना काम नहीं किया और डॉक्टर पर दबाव बनाना ही उन्हें महंगा पड़ा ?

क्या आदिवासियों को नौकरी करना भी हो जाएगा दूसर ?

क्या अब आदिवासियों को नौकरी करना हो जाएगा दूसर जिस तरह से एक एफआईआर दर्ज होने के बाद उसका दबाव बनाया जा रहा है नौकरी छोड़ने जिसे लेकर डॉक्टर काफी विचलित है और नौकरी छोड़ने की बात कहने लगे।

प्रदर्शन में आये सैकड़ों आवेदनों ने धांधली पूर्ण युक्तियुक्तकरण की पोल खोली जिला शिक्षा अधिकारी पर कार्रवाई और काउंसिलिंग निरस्त करने की मांग तेज

संवाददाता- सूरजपुर, 10 जून 2025 (घटती-घटना)।

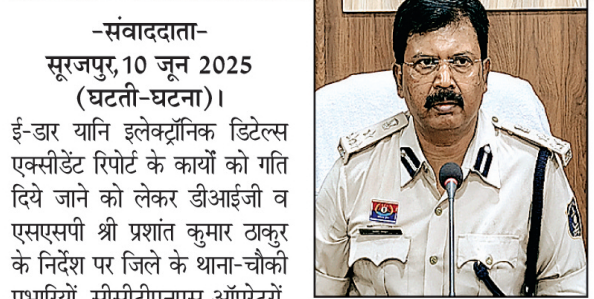
जिले में शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण के नाम पर चल रही काउंसिलिंग प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर धांधली, अनियमितता और शासन के निर्देशों की अवहेलना का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। नतीजा यह हुआ कि एक विस्तृत जापन में शिक्षकों ने जिला शिक्षा अधिकारी को सीधे तौर पर दोषी ठहराते हुए सम्पूर्ण दूषित प्रक्रिया को तत्काल निरस्त करने की मांग की है। सौंप गए जापन में शिक्षकों के अनुसार काउंसिलिंग में जो वरिष्ठा सूची जारी की गई वह पूरी तरह त्रुटिपूर्ण रही। लगातार आपत्ति के बावजूद जिला शिक्षा अधिकारी ने संशोधन नहीं किया। नतीजा यह हुआ कि कई शिक्षक गलत वरिष्ठा क्रम में आ गए और उनके भविष्य के साथ खुला खिलवाड़ हुआ। कई ऐसे विद्यालयों के पद दिखाए गए जहाँ पहले से शिक्षक कार्यरत हैं। वहाँ पदाधिकार नए शिक्षकों को कार्यभार ग्रहण ही नहीं करने दिया



गया। इससे उनका भविष्य संकट में पड़ गया, जबकि शासन ने स्पष्ट निर्देश दिए थे कि केवल रिक्त पदों पर ही पोस्टिंग हो। शासन के निर्देशों के बावजूद जिले में आज भी अनेक शिक्षक विहीन व एकल शिक्षकीय स्कूल खाली पड़े हैं। जिला शिक्षा विभाग ने एकल व रिक्त स्कूलों को नजरअंदाज कर अधिक दर्ज संख्या वाले स्कूलों को वरिष्ठा दी, जिससे शिक्षा व्यवस्था चौपट हो रही है। हार्ड स्कूल व हार्वर सेमेण्टरी स्कूलों में भी अतिशेष शिक्षकों की सूची में भारी गड़बड़ सामने आई है। सूत्रों के अनुसार यहाँ भी चहेतों को लाभ पहुँचाने के लिए सूची में हेरफेर किया गया। जापन में यह भी कहा गया है कि महिला शिक्षिकाओं के वरिष्ठा को दरकिनार कर पुरुष शिक्षकों को पहले बुलाकर पदस्थापना दे दिया गया। परिणामस्वरूप कई महिला शिक्षिकाओं को मजबूरी में दूरस्थ स्थानों पर जाना पड़ा या फिर उनके लिए पद ही नहीं बचे। काउंसिलिंग के दौरान सेजस स्कूल में भी नियम विरुद्ध तरीके से पदस्थापना कर दी गई। इससे भी सरकार के दिशा-निर्देशों की ध्वजियां उड़ीं। अतिशेष शिक्षकों को चिन्हित करने के बाद उन्हें दावा-आपत्ति का अक्सर तक नहीं दिया गया। इससे शिक्षकों को बड़ी पेशानी झेलनी पड़ी। जापन

में यह भी आरोप है कि मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देशों कि सबसे पहले शिक्षक विहीन व एकल शिक्षकीय विद्यालयों को भरना है का खुलेआम उल्लंघन हुआ है। परिणामस्वरूप आज भी जिले में सैकड़ों बच्चे बिना शिक्षक के पढ़ने को मजबूर होंगे। इतना ही नहीं, शासन के स्पष्ट आदेश के बावजूद 1932 में स्थापित ऐतिहासिक प्राथमिक शाला सलका का समायोजन कर दिया गया, जो कि नियम विरुद्ध है। शिक्षक साझा मंच ने मांग की है कि पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए, दोषी जिला शिक्षा अधिकारी व कर्मचारियों पर कठोर कार्रवाई हो और वर्तमान दूषित काउंसिलिंग प्रक्रिया को अविलंब निरस्त किया जाए। सौंप गए जापन पर यदि कोई कार्यवाही नहीं होती है तो? 16 जून से शाला प्रशेखसव का बहिष्कार और आ आंदोलन की चेतावनी दी गई है। जापन सौंपने के दौरान शिक्षक साझा मंच सूरजपुर के जिला संचालक सचिन त्रिपाठी, यादवेन्द्र दुबे, भूपेश सिंह, विजय साहू, गोपाल विश्वकर्मा, निर्मल भट्टाचार्य और राजकुमार सिंह सहित सैकड़ों शिक्षक उपस्थित रहे।

ई-डार यानि इलेक्ट्रॉनिक डिटेल्स एक्सिडेंट रिपोर्ट पर हुआ प्रशिक्षण सत्र का आयोजन सड़क दुर्घटना पर मुआवजा दिलाने इ-डार पर फौरेन भरे डिटेल्स जानकारी-डीआईजी/एसएसपी



संवाददाता- सूरजपुर, 10 जून 2025 (घटती-घटना)।

ई-डार यानि इलेक्ट्रॉनिक डिटेल्स एक्सिडेंट रिपोर्ट के कार्यों को गति देने जाते को लेकर डीआईजी व एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देश पर जिले के थाना-चौकी प्रभारियों, सीसीटीएनएस ऑपरेटरों, पीडब्ल्यूडी, आरटीओ विभाग के अधिकारियों को बीते दिन प्रशिक्षण दिया गया। सड़क दुर्घटना में मृत लोगों के परिजनों को समय पर मुआवजा भुगतान के लिए आइड और इ-डार पर दुर्घटना संबंधित रिपोर्ट थाना द्वारा अपलोड करनी होती है। प्रशिक्षण में स्टैप बाइ स्टैप जानकारी अपलोड करने की जानकारी दी गई।

इस ऑनलाइन एप पर सड़क दुर्घटना की रिपोर्ट के अपलोड करने में विलम्ब होने के कारण मृतक के परिवार को मुआवजा भुगतान में विलंब होता है। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर के संज्ञान में यह बात सामने आयी तो उन्होंने सड़क दुर्घटना में पीड़ित परिवार को जल्द मुआवजा दिलाने इस प्रशिक्षण का आयोजन कराया। उन्होंने बताया कि इस सॉफ्टवेयर

अपलोड किया जाना है। ज्ञात वाहन से मौत होने पर ई-डार पर रिपोर्ट करने के बाद पीड़ित परिवार को मुआवजा दिये जाने का प्रावधान किया गया है। पुलिस अनुसंधानकर्ता द्वारा ई-डार के सभी फॉर्मेट भरना जरूरी है। प्रशिक्षण में यह भी बताया गया कि अज्ञात वाहन से मौत होने पर डीटीओ कार्यालय द्वारा प्रक्रिया करना होता है। जबकि ज्ञात वाहन से मौत होने पर मुआवजा आवेदन की जिम्मेदारी संबंधित अनुसंधानकर्ता को दी गयी है। जिले के सभी चौकी व थाना में ई-डार के एक नोडल पुलिस पदाधिकारी बनाए गए हैं। उन्हें जिम्मेदारी दी गयी है कि कैसे आईओ से समन्वयक बनाकर ई-डार के फॉर्मेट में सभी कॉलम को पूरा करवाएं। इस दौरान सीएसपी एस.एस.पैकरा, एसडीओपी प्रतापपुर सीधे उल्लेख, एसडीओपी प्रेमनगर नरेंद्र सिंह पुजारी, एसडीओपी सूरजपुर अभिषेक पैकरा, डीएसपी अज्ञात पीडी कुजूर, डीएसपी अनूप एका, रितिश चौधरी, डीएसपी मुख्यालय महालक्ष्मी कुलदीप, एसडीओपी ओझी रजेश जोशी, जिले के थाना-चौकी प्रभारी, जिला पुलिस कार्यालय के अधिकारी व सीसीटीएनएस ऑपरेटर मौजूद रहे।

समाज कल्याण विभाग द्वारा ट्राई साइकिल एवं श्रवण यंत्र किया गया प्रदाय राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (चिरायु) के तहत हृदय रोग के 24 बच्चों को भेजा गया रायपुर

संवाददाता- सूरजपुर, 10 जून 2025 (घटती-घटना)।

आज जिला पंचायत सूरजपुर में समाज कल्याण विभाग मदनपुर के श्री बेचु यादव को 60 प्रतिशत अस्थिबाधित होने पर ट्राईसाइकल, ग्राम पंचायत के बसंत लाल एवं ग्राम सिसरी के श्रीमती कमला गुप्ता को समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित सहायक

उपकरण योजनांतर्गत श्रवण यंत्र प्रदाय किया गया। सभी हितग्राही उपकरण प्राप्त कर बेहद प्रसन्न थे। इस अवसर पर जिला प्रशासन को धन्यवाद ज्ञापित किया।

कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. कपिल देव पैकरा के मार्गदर्शन में जिला सूरजपुर से राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (चिरायु) के तहत हृदय रोग के चिन्हित 24 बच्चों को रायपुर के सत्य साई अस्पताल, 03 कटे-फटे हॉट एवं तालु, न्यूरल ट्यूब डिफेक्ट, नेजल ट्यूमर, हाइड्रोसेफलस, क्लब फुट तथा किडनी रोग के बच्चों को मेडिकल कॉलेज रायपुर इलाज हेतु जिला सूरजपुर के आर.बी.एस.के. टीम की देखरेख में शासकीय वाहन से भेजा गया।



डब्ल्यूटीसी मैच आज से लार्ड्स में



लार्ड्स, 10 जून 2025। दुनिया को अब जल्द पता चल जाएगा कि टेस्ट क्रिकेट का चैंपियन कौन है। हालांकि अभी तक तो ऑस्ट्रेलिया ही विजेता है, लेकिन अब वही टीम रहेगी या फिर ऑस्ट्रेलिया की बादशाहत खत्म हो जाएगी। ये देखना दिलचस्प होगा। ये पहली बार हो रहा है कि भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल नहीं खेल रही है। इसके बाद भी भारतीय फैंस में इसको लेकर जबरदस्त दिलचस्पी है।

11 जून से लॉर्ड्स में खेला जाएगा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल

ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल 11 जून से शुरू होगा। ये मुकाबला लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर खेला जाएगा, जिसे क्रिकेट का मक़्का भी कहा जाता है। दोनों टीमों अपनी अपनी तैयारियां पूरी कर चुकी हैं। यहां तक कि लॉर्ड्स की बालकनी में पैट कमिंस और टेम्बा बाबुमा को फोटोशूट भी हो गया है। अब इंतजार टॉस और उसके बाद पहली बॉल डाले जाने का है।

भारत में दिन में साढ़े तीन बजे से शुरू होगा फाइनल

भारत में डब्ल्यूटीसी का फाइनल देखना काफी आसान है। मुकाबला भारतीय समय अनुसार दोपहर साढ़े

तीन बजे से शुरू होगा। पहले दिन इससे आधे घंटे पहले यानी तीन बजे टॉस होगा। हालांकि बाद के दिनों में सोधे साढ़े तीन बजे से मैच शुरू हो जाएगा। उम्मीद की जा रही है कि 15 जून को टेस्ट चैंपियनशिप का विजेता मिल जाएगा। हालांकि फाइनल के लिए आईसीसी ने विशेष व्यवस्था की हुई है। अगर बारिश के कारण मैच में बाधा पड़ती है तो फिर 16 जून को रिजर्व डे के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।

बात अगर मैच को लाइव देखने की है तो इसे आप जियो हॉट स्टार और स्टार स्पोर्ट्स पर देख सकते हैं। टीवी पर तो आप चैनल को लगाकर सीधे मैच देख सकते हैं, लेकिन मोबाइल या फिर स्मार्ट टीवी

पर जियो हॉट स्टार का एप्प होना जरूरी है, जो कि आपके पास होगा ही। रात में करीब साढ़े दस बजे तक दिन का खेल खत्म भी जाएगा, लेकिन ऐसा तभी होगा, जब दिन के 90 ओवर पूरे हो जाएंगे।

वया है रिजर्व डे का मतलब, अगर मुकाबला ड्रॉ हुआ तो कैसे होगा फैसला

टीम इंडिया भले ही इस बार का विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल ना खेल रही हो, लेकिन इसके बाद भी भारत में इस फाइनल को लेकर जबरदस्त रोमांच है। ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका की टीमों अब से कुछ ही घंटे बाद आमने सामने होने जा रही हैं। एक बार फिर से टेस्ट क्रिकेट का खुमार फिर चढ़कर बोलने वाला है। इस बीच आपको पता होना चाहिए कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के नियम क्या हैं, ताकि मुकाबले के दौरान आपको ज्यादा परेशान ना होना पड़े।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के लिए रखा गया है रिजर्व डे

ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच 11 जून से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेला जाएगा। वैसे तो संभव है कि 15 जून तक पता चल जाए कि इस बार का खिताब किसके नाम हुआ है, लेकिन फिर भी ऐतिहासिक तौर पर रिजर्व डे रखा गया है। हालांकि रिजर्व डे को लेकर एक बात समझ लीजिए,

जो कि काफी लोगों को पता नहीं होती। आईसीसी ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए 16 जून का दिन रिजर्व डे के रूप में रखा है। लेकिन इसका इस्तेमाल तभी होगा, जब पांच दिन के मैच में बारिश के कारण खलल पड़ेगा। हालांकि उम्मीद की जानी चाहिए कि 15 जून तक ही रिजल्ट निकल जाएगा, जो टीम अच्छे खेलेगी, वो विजेता बनेगी। लेकिन इस दौरान बारिश की भी हल्की सी संभावना जताई जा रही है।

ड्रॉ और टाई होने पर कैसे होगा विजेता का फैसला

इसके बाद एक सवाल ये भी है कि अगर मैच ड्रॉ हो जाता है। टाई होता है या फिर पूरा हो नहीं पाता तो क्या किया जाएगा। टेस्ट मैच अवसर ड्रॉ हो ही जाते हैं। आईसीसी ने इसका भी जवाब तैयार कर रखा है। अगर मैच ड्रॉ या फिर टाई होता है, इतना ही नहीं अगर छह दिन बाद भी रिजल्ट नहीं निकलता है तो फिर दोनों टीमों को संयुक्त विजेता घोषित की दिया जाएगा। इसमें अंक तालिका में कौन सी टीम आगे थी और कौन सी पीछे, इससे कोई असर नहीं पड़ता है। ध्यान रखिएगा कि रिजर्व डे तभी एक्टिव होगा, जब बारिश के कारण मैच में बाधा आती है। अगर पूरे पांच दिन खेल हुआ और उसके बाद ड्रॉ हुआ तो फिर मैच छठे दिन नहीं जाएगा।

जो कि काफी लोगों को पता नहीं होती। आईसीसी ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए 16 जून का दिन रिजर्व डे के रूप में रखा है। लेकिन इसका इस्तेमाल तभी होगा, जब पांच दिन के मैच में बारिश के कारण खलल पड़ेगा। हालांकि उम्मीद की जानी चाहिए कि 15 जून तक ही रिजल्ट निकल जाएगा, जो टीम अच्छे खेलेगी, वो विजेता बनेगी। लेकिन इस दौरान बारिश की भी हल्की सी संभावना जताई जा रही है।

ड्रॉ और टाई होने पर कैसे होगा विजेता का फैसला

इसके बाद एक सवाल ये भी है कि अगर मैच ड्रॉ हो जाता है। टाई होता है या फिर पूरा हो नहीं पाता तो क्या किया जाएगा। टेस्ट मैच अवसर ड्रॉ हो ही जाते हैं। आईसीसी ने इसका भी जवाब तैयार कर रखा है। अगर मैच ड्रॉ या फिर टाई होता है, इतना ही नहीं अगर छह दिन बाद भी रिजल्ट नहीं निकलता है तो फिर दोनों टीमों को संयुक्त विजेता घोषित की दिया जाएगा। इसमें अंक तालिका में कौन सी टीम आगे थी और कौन सी पीछे, इससे कोई असर नहीं पड़ता है। ध्यान रखिएगा कि रिजर्व डे तभी एक्टिव होगा, जब बारिश के कारण मैच में बाधा आती है। अगर पूरे पांच दिन खेल हुआ और उसके बाद ड्रॉ हुआ तो फिर मैच छठे दिन नहीं जाएगा।



इंग्लैंड में अंशुल ने गेंद और बल्ले से मचाया तहलका, फिर भी नहीं खेल पाएगा टेस्ट सीरीज

ब्रिस्बेन, 10 जून 2025। भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज शुरू होनी है। इससे पहले भारत की ए टीम ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो मैच खेले हैं, जो कि अनौपचारिक थे। ये मैच एक तरह से प्रैक्टिस के लिए रहे थे। जो भारतीय खिलाड़ी टेस्ट सीरीज खेलेंगे, उन्हें भी इस टीम में रखा गया था, ताकि वे अपनी तैयारी कर सकें और इंग्लैंड के हिसाब से खुद को ढाल सकें। इस बीच इंडिया ए की ओर से एक खिलाड़ी ने कमाल का प्रदर्शन किया है, उसने गेंद और बल्ले से कर कर बरपाने का काम किया, लेकिन इसके बाद भी वो इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के मुकाबले नहीं खेल पाएगा। हम बात कर रहे हैं अंशुल कम्बोज की।

इंडिया ए की ओर से अंशुल ने किया कमाल का प्रदर्शन

इंडिया ए की ओर से खेलते हुए अंशुल कम्बोज ने मैच की पहली पारी में 18 ओवर में 56 रन

देकर दो विकेट अपने नाम किए। इसके बाद मैच की दूसरी पारी में उन्होंने तीन ओवर में केवल 6 रन देकर दो विकेट हासिल किए। इतना ही नहीं, दूसरी पारी में तो उन्होंने बल्ले से भी कमाल किया। उन्होंने 86 बॉल पर 51 रनों की बेहतरीन पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 5 चौके और एक छक्का लगाया। यानी वे गेंद और बल्ले से कमाल करने में कामयाब रहे।

भारतीय टीम में शामिल नहीं किए गए हैं अंशुल कम्बोज

अब सवाल ये है कि क्या अंशुल कम्बोज भारत बनाम इंग्लैंड सीरीज के मैच खेल पाएंगे। तो इसका जवाब है नहीं। अंशुल कम्बोज को केवल इंडिया ए टीम में शामिल किया गया, भारतीय टीम में वे नहीं हैं। लेकिन हो सकता है कि उन्हें रोक लिया जाए और अगर कोई खिलाड़ी खास तौर पर तेज गेंदबाज चोटिल हो जाए तो उसकी जगह अंशुल को मौका मिल जाए।

भारत बनाम इंग्लैंड एक लंबी सीरीज है, जिसमें पांच मुकाबले खेले जाएंगे, इतनी लंबी सीरीज के दौरान कोई ना कोई खिलाड़ी चोटिल हो ही जाता है, उसके रिप्लेसमेंट के लिए अंशुल कम्बोज ने अभी से अपनी दावेदारी पेश कर दी है।

अभी तक भारत के लिए नहीं खेले गए हैं अंशुल

अंशुल को अभी तक भारत के लिए डेब्यू करने का मौका तो नहीं मिला है, लेकिन डोमिस्टिक क्रिकेट और आईपीएल में वे अपना कमाल दिखा रहे हैं। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अभी तक 24 मैच खेलकर वे 79 विकेट ले चुके हैं। आईपीएल में वे 11 मैच खेलकर 10 विकेट अपने नाम कर चुके हैं। इस साल वे चेन्नई सुपरकिंग्स के लिए खेल रहे थे, लेकिन इससे पहले मुंबई इंडियंस के लिए भी खेल चुके हैं। अगर इसी तरह से अंशुल लगातार अच्छे प्रदर्शन करते रहे तो वो दिन दूर नहीं, जब वे भारतीय टीम के लिए भी खेलते हुए दिखाई दें।

सक्षिप्त खेल की खबरें

विराट कोहली की जगह नंबर 4 पर कौन खेलेगा



नई दिल्ली, 10 जून 2025। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने 12 मई को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। इसके बाद से भारतीय टेस्ट क्रिकेट टीम में नंबर 4 का स्थान खाली हो गया है। अब टीम इंडिया इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने वाली है। ऐसे में विराट कोहली की जगह पर नंबर 4 पर बल्लेबाजी कौन करेगा इसको लेकर सवाल उस का तब बना हुआ है। भारत के लिए इंग्लैंड में नंबर 4 पर खेलने के लिए कई दावेदार मौजूद हैं। इन विकल्पों में खुद कप्तान शुभमन गिल का नाम भी शामिल है। वो इससे पहले भारत के लिए नंबर 4 पर बल्लेबाजी कर चुके हैं। इसके साथ ही करण नायर का नाम भी नंबर 4 के विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है। अभिमन्यु ईश्वरन और साई सुदर्शन जो भारतीय क्रिकेट टीम में बतौर ओपनर शामिल हुए हैं। उनके नाम पर भी कोहली की जगह नंबर 4 पर खेलने के लिए चर्चाएं हो रही हैं।

निकोलस पूरन ने अचानक इंटरनेशनल क्रिकेट से लिया संन्यास

नई दिल्ली, 10 जून 2025। आधुनिक युग के वेस्टइंडीज के विस्फोटक और भरोसेमंद स्फेद गेंद वाले क्रिकेटर्स में से एक, निकोलस पूरन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की। उन्होंने 29 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया।



भारतीय पुरुष टीम एफआईएच हॉकी प्रो लीग के यूरोपीय चरण में अर्जेंटीना के खिलाफ खेलने के लिए तैयार

नई दिल्ली, 10 जून 2025। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024/25 (पुरुष) के यूरोपीय चरण में अच्छी शुरुआत नहीं की है। नीदरलैंड के खिलाफ मिली मामूली हार अब पुरानी बात हो गई है, लेकिन टीम अब एफएंडएम में अर्जेंटीना के खिलाफ अपनी अगली चुनौती के लिए तैयारी कर रही है। दोनों टीमों हाल के वर्षों में अक्सर एक-दूसरे से भिड़ती रही हैं, और भारत का अर्जेंटीना के खिलाफ रिकॉर्ड अच्छा रहा है। पेरिस 2024 ओलिंपिक में, दोनों टीमों ने एक मनोरंजक ड्रॉ खेला। हालांकि, एफ आईएच हॉकी प्रो लीग 2023/24 (पुरुष) में, भारत ने अर्जेंटीना को दो बार हराया-दूसरी जीत शूटआउट के जरिए मिली। आगामी मैचों से पहले बोलते हुए,

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, हम अर्जेंटीना के खिलाफ मैचों में आने वाली चुनौती से वाकिफ हैं। टीम हर दिन प्रशिक्षण में कड़ी मेहनत कर रही है, और हमें अच्छा प्रदर्शन करने का भरोसा है। अर्जेंटीना एक मजबूत टीम है, और इस स्तर पर कोई भी मैच आसान नहीं है। प्रतियोगिता में छह मैच शेष रहते हुए, भारत वर्तमान में 15 अंकों के साथ अंक तालिका में चौथे स्थान पर है।



एफ आईएच हॉकी विश्व कप 2026 में जगह बनाने के लिए, भारतीय पुरुष हॉकी टीम शेष मुकाबलों में अच्छे प्रदर्शन करने और कठिन प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ अधिकतम अंक हासिल करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। आगे की राह पर विचार करते हुए,

हरमनप्रीत ने कहा, हम जो भी हमारे सामने आएगा उसके लिए तैयार हैं। हमने इस टूर्नामेंट के लिए अच्छी तैयारी की है और लीड-अप में विभिन्न संयोजनों और रणनीतियों को आजमाया है। हमें

हम अतीत के दिग्गजों को सम्मानित करना चाहते हैं

नई दिल्ली, 10 जून 2025। केशव महाराज आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल 2025 में प्रसिद्ध पदचिन्हों पर चलने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। दक्षिण अफ्रीका आईसीसी टेस्ट चैंपियनशिप गदा के स्वामित्व के लिए लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा, वहीं स्थान जहाँ प्रोटियाज ने 13 साल पहले आखिरी बार ट्रॉफी अपने नाम की थी। जैक्स कैलिस, डेल स्टैन और ग्रीम स्मिथ की एक दिग्गज दक्षिण अफ्रीकी टीम ने उस दिन इंग्लैंड को हराकर विश्व

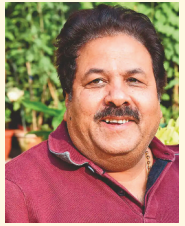
नंबर एक का खिताब जीता था, और महाराज ने खुलासा किया कि वे यादें उनकी टीम को यह उपलब्धि दोहराने के लिए प्रेरित कर रही हैं। मुझे याद है कि जब उन्होंने गदा उठाई थी तो मैंने उसे देखा था। हम जानते हैं कि हमारे लिए ऐसा करने के अलावा, लिए लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा, वहीं स्थान जहाँ प्रोटियाज ने 13 साल पहले आखिरी बार ट्रॉफी अपने नाम की थी। जैक्स कैलिस, डेल स्टैन और ग्रीम स्मिथ की एक दिग्गज दक्षिण अफ्रीकी टीम ने उस दिन इंग्लैंड को हराकर विश्व



हम अतीत के दिग्गजों को सम्मानित करना चाहते हैं, और उम्मीद है कि हम एक दिन उसी क्षमता और रोशनी में दिखाई देंगे, जब हम इस तरह का प्रतिष्ठित खिताब जीतेंगे और टेस्ट गदा अपने पास रखेंगे, उन्होंने आईसीसी मीडिया रिलीज के हवाले से कहा।

बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होने पर एमएस धोनी की सराहना की...

नई दिल्ली, 10 जून 2025। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष और कांसिडर सांसद राजीव शुक्ला ने लंदन में एक समारोह के दौरान आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होने पर भारत के दिग्गज कप्तान एमएस धोनी की सराहना की। वह इस प्रतिष्ठित कंपनी में शामिल होने वाले 11वें भारतीय क्रिकेटर बन गए। शुक्ला ने अपने एक्स हेल्ल पर पोस्ट किया, रांची की गलियों से आईसीसी हॉल ऑफ फेम तक, क्या सफर रहा। एमएस धोनी की कहानी दृढ़ संकल्प और उत्कृष्टता का एक शानदार उदाहरण है। एक छोटे शहर का लड़का जिसने क्रिकेट के इतिहास को फिर से लिखा और एक अरब दिल जीते। इस सम्मान के लिए एमएस धोनी को बधाई।



जब वी मेट में रेड लाइट सीन को लेकर इम्तियाज अली को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा

इम्तियाज अली भारतीय सिनेमा के बेहतरीन फिल्म निर्माताओं में से एक हैं। उनकी कहानी कहने की शैली न केवल प्रभावशाली है, बल्कि प्रभावशाली भी है। हालांकि, फिल्म निर्माता ऐसा व्यक्ति नहीं हैं जिसने अपनी फिल्मों के कारण किसी कानूनी चुनौती का सामना न किया हो। हाल ही में हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया के साथ बातचीत में इम्तियाज अली ने बताया कि कैसे उनकी लोकप्रिय फिल्म जब वी मेट के एक दृश्य के कारण उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया गया और उन्हें कानूनी परेशानी में डाल दिया गया। फैंस इंटरव्यू के दौरान, तमाशा निर्देशक से पूछा गया कि क्या वह अपनी फिल्मों को अपने विचारों और दृष्टिकोण से समझाते हुए बिना बनाते हैं, या दर्शकों के एक वर्ग को नाराज करने से बचने के लिए उन्हें कुछ चीजों को संशोधित या संशोधित करना पड़ता है। फिल्म निर्माता ने चुटकी लेते हुए कहा कि वह आमतौर पर खुद से कई बार पूछते हैं कि क्या यह किसी को चोट पहुंचा सकता है या किसी समुदाय को अपमानित कर सकता है। अगर उन्हें यकीन हो जाता है कि कुछ दिखाने का उनका असली इरादा किसी भी तरह से चोट पहुंचाने वाला नहीं है, तो वह उसी पर टिके रहते हैं; अन्यथा, वह परिदृश्य को संशोधित करते हैं। इस पर बात करते हुए, इम्तियाज ने एक दिलचस्प घटना साझा की जब वह विवादों में विरे थे। उनके खिलाफ कोर्ट का समन था क्योंकि उन पर आरोप था कि उन्होंने जब वी मेट में रतलाम को गलत तरीके से दिखाया था। निर्देशक ने कहा, पहली बार मेरे लिए कोर्ट का समन आया और फिर मेरे पास गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट था, रतलाम की वजह से (वह हंस्टे हैं)। फिल्म निर्माता ने आगे कहा कि उनके खिलाफ दायर आरोपपत्र में कहा गया है कि यह जगह, जो स्क्वैस के लिए प्रसिद्ध थी, निर्देशक इम्तियाज अली ने रेड लाइट वाली जगह के रूप में बदनाम किया था।

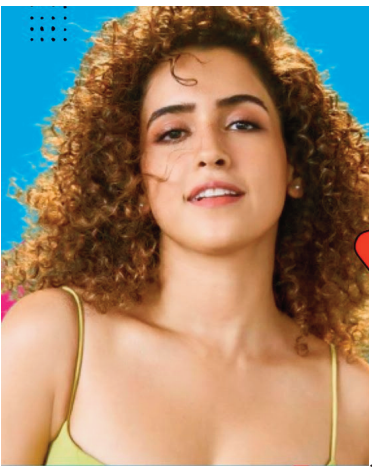
अखंड 2 का धमाकेदार टीजर रिलीज



नंदमुरी बालकृष्ण के फैंस को मिला बड़ा तोहफा

नंदमुरी बालकृष्ण की आगामी फिल्म अखंड 2 का टीजर रिलीज हो गया है। यह फिल्म उनकी साल 2021 में आई ब्लॉकबस्टर फिल्म अखंड का ही सीकवल है। आज 10 जून को नंदमुरी का जन्मदिन है। उससे पहले मेकर्स ने फिल्म का टीजर जारी किया है। इसका निर्देशन

बोयापति श्रीनु ने किया है। फिल्म अखंड 2 की शूटिंग इस साल की शुरुआत में प्रयागराज में आयोजित पांच महकुंभ मेले में शुरू हुई थी। बालकृष्ण के जन्मदिन से पहले मेकर्स ने फिल्म का पावर पैकड टीजर जारी किया है। इसमें बालकृष्ण सिनेटर अवतार में नजर आ रहे हैं। उनका रुआब देखने लायक है। फिल्म का टीजर काफी रोमांचक है और दर्शकों से इसे अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। भगवान शिव के भक्तों को यह फिल्म विशेषरूप से पसंद आएगी। नंदमुरी इसमें एक्शन करते नजर आए हैं। फिल्म में नंदमुरी बालकृष्ण मुख्य भूमिका में हैं। साथ ही इसमें खलनायक के रूप में आदि पिनिसैट्टी नजर आएंगे, जो इससे पहले यह सॉफ्टबोर्ड फिल्म में विलेन की भूमिका में नजर आ चुके हैं। वहीं इस फिल्म में अभिनेत्री के रूप में संयुक्ता मेनन मुख्य भूमिका में नजर आएंगीं। अखंड 2 का निर्माण 14 रोल्ल प्लस बैनर के तहत राम अचंता और गोपीचंद अचंता द्वारा किया जा रहा है। इसके अलावा फिल्म में संगीत की बात करें तो इस ध्यन ने दिया है। नंदमुरी बालकृष्ण अभिनीत फिल्म अखंड 2 सिनेमाघरों में 25 सितंबर को रिलीज की जाएगी। बात करें फिल्म अखंड की तो यह ब्लॉकबस्टर रही थी। इसने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की थी।



मोरनी बनके की शूटिंग के दौरान चोटिल थीं सान्या मल्होत्रा

अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा ने साल 2018 में मोरनी बनके की शूटिंग के दौरान बड़ा चोटिल थीं। सान्या मल्होत्रा ने बताया कि इस गाने की शूटिंग के समय वह चोटिल थीं, उन्हें टांके लगे थे, और उनकी चोट ताजा थी। यह बात सान्या ने मशहूर कोरियोग्राफर और निर्देशक फराह खान के साथ उनके यूट्यूब व्लॉग में बातचीत के दौरान साझा की। व्लॉग वीडियो में सान्या मल्होत्रा, फराह खान के साथ बुरिटो बाउल डिश का लुफ उठाती और अपनी फिल्मी यात्रा पर चर्चा करती नजर आईं। मोरनी बनके की शूटिंग का जिक्र करते हुए सान्या ने बताया कि वह फिल्म पढ़ाया की शूटिंग के दौरान चोटिल हो गई थीं। उनकी बांह पर टांके लगे थे, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने मोरनी बनके की शूटिंग की। सान्या ने हंस्टे हुए बताया, यही नहीं, मैं दोबारा गिर गई थी। बधाई हो के गाने की शूटिंग के लिए फर्श को तेल से चमकाया गया था ताकि वह चमकदार दिखे। मैं चल रही थी और जैसे ही गाने की लाइन आई, केटवाक वाली बेबी है तेरी चाल पर स्टेप के दौरान मैं फिसल गई। मैंने इस मजेदार पल का वीडियो भी सोशल मीडिया पर शेयर किया था, जिसमें मैं फिसलने के बाद हंस रही थी। फराह ने मजाक में कहा कि जिस फिल्म में हीरोइन गिरती है, वह हिट हो जाती है। उन्होंने कल हो ना हो के एक सीन का उदाहरण भी दिया। फराह ने सान्या को 2023 में रिलीज हुई फिल्म मिसेज और उनके अब तक के करियर के बारे में भी पूछा। सान्या ने बताया कि उन्होंने 9 साल में 14% 5 फिल्मों की हैं। फराह ने पूछा कि क्या सान्या ने कभी एक्टिंग स्कूल या क्लासेज की तो सान्या ने जवाब दिया कि वह ऑडिशन के जरिए इंडस्ट्री में आईं और उनकी पहली मुलाकात फराह से ही हुई थी।

